RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-11 | अंक-02 | जयपुर, गुरुवार, 02 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रुपये

29वां राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन: राजस्थान इनोवेशन चैलेंज और ई-मित्र व्हाट्सएप सेवा का शुभारंभ

डिजिटल इंडिया ने बदली शासन व्यवस्था की तस्वीर

राजस्थान संपर्क जन-अभियोग निवारण का प्रभावी मंच: मुख्यमंत्री

डिजिटल शासन का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तकनीक केवल सुविधा का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन, सुशासन और जनकल्याण का प्रभावी माध्यम बननी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि डिजिटल शासन का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी नागरिक विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित दो दिवसीय 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में डिजिटल क्रांति ने शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाया जा रहा है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम ट्रिनिटी) के जरिए बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया जैसी पहल ने तकनीक को आर्थिक विकास और सुशासन का मजबूत आधार बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा ई-गवर्नेंस को सरल, प्रभावी और किफायती बनाना है। इसी दिशा में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आज देश में डिजिटल भुगतान का सबसे आसान और विश्वसनीय माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और साइबर सुरक्षा आधुनिक प्रशासन की आधारशिला बन चुके हैं। इन तकनीकों के माध्यम से शासन अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित बन रहा है।

एआई नीति और स्टार्टअप्स को मिल रहा नया प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान सरकार तकनीक को जनकल्याण का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क आज जन-अभियोग निवारण का सशक्त मंच बन चुका है, जहां प्रत्येक माह लगभग ढाई से तीन लाख शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी इस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा और निस्तारण करते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी 2026 लागू की है। इस नीति के माध्यम से प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही एवीजीसी एंड एक्सआर पॉलिसी लागू कर एनिमेशन, गेमिंग, विजुअल इफेक्ट्स और डिजिटल तकनीकों के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने एआई एवं क्वांटम कम्प्यूटिंग मिशन की भी शुरुआत की है, जिससे भविष्य की तकनीकों के विकास को गति मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत हुआ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों और स्कूल स्तर पर भी डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाया गया है। प्रदेश में 65 आई-स्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से एक लाख 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया है। डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए राज्य में 1,686 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार किया गया है, जिससे हजारों सरकारी भवनों को जोड़ा गया है।

साइबर सुरक्षा और पारदर्शी भर्ती पर विशेष जोर

भर्ती प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए एआई आधारित फोटो सत्यापन और ई-केवाईसी जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। वहीं साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आधुनिक साइबर लैब और साइबर रेंज प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों में 25 हजार से अधिक निगरानी कैमरे स्थापित किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि डिजिटल पहचान और आधार सत्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न ई-गवर्नेंस पहलों का शुभारंभ किया। इनमें राजस्थान लैंग्वेज मॉडल ट्रेनिंग हैकाथॉन, स्वचालित नागरिक सेवा प्रदायगी मंच 'स्मार्ट राजस्थान' परियोजना, राजस्थान इनोवेशन चैलेंज तथा ई-मित्र व्हाट्सएप सेवा शामिल हैं। उन्होंने 'डिजिटल राजस्थान' कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने आरआईसी में तकनीकी सेवाओं पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और ई-गवर्नेंस से जुड़े नवाचारों की जानकारी प्राप्त की।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि गवर्नेंस, ई-गवर्नेंस और एआई आधारित गवर्नेंस के माध्यम से नागरिकों को तेज, अधिक और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- आरोपी अविनाश के घर 20 लाख मिले

1 हजार डॉलर भी बरामद, संदूक पर लिखा था- रामराज्य कोष

अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर पुलिस ने छापेमारी की। दस्तावेजों को खंगाला और परिजनों भी पूछताछ की गई।

इस बीच, 8 में से 7 आरोपियों के घर बरामदगी का ब्योरा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 20 लाख कैश जेल में बंद अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं।

अविनाश के अयोध्या स्थित योग सेंटर पर 28 जून को पुलिस ने छापा मारा था। तब एक संदूक बरामद हुआ था। उस पर लाल रंग से 'रामराज्य कोष' लिखा था। पेटीएम का क्यूआर कोड लगा था। छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया।

इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था।

चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही SIT को सरकार ने 15 दिन का समय और दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए ईडी को भी शामिल किया जा सकता है। अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में ऑफिसर्स से इसका आग्रह किया है।

असम राइफल्स ने 9.5 करोड़ रूपए की ड्रग्स जब्त की, 2 महिलाएं गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम राइफल्स ने पूर्वोत्तर में सक्रिय ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9.5 करोड़ रूपए की ड्रग्स जब्त की है। यह कार्रवाई असम राइफल्स की श्रीकोना बटालियन ने 30 जून को कछार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में असम के कछार जिले के टोलेंग्राम के पास की। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने 30 हजार याबा टैबलेट और 535 ग्राम हेरोइन बरामद की। तस्करों ने ड्रग्स को लाल मिर्च से भरे डिब्बों में छिपाया था, ताकि जांच एजेंसियों की नजर से बचा जा सके।

छावनी बना डकैत जगन का गांव, 9 थानों की पुलिस तैनात

एसटीएफ की सुरक्षा में तीनों भाइयों को लाया गया

बाड़ी (धौलपुर)

डकैत जगन गुर्जर का अंतिम संस्कार आज (बुधवार) धौलपुर के डांग स्थित भवुतीपुरा गांव में हुआ। मुखाग्नि बेटे आसाराम ने दी। स्त्रशस्त्र की सुरक्षा में उसके तीनों भाइयों को जेल से धौलपुर लाया गया था। यहां अंतिम दर्शन के बाद तीनों को पुलिस वापस ले गई।

तीनों को अलग-अलग गाड़ियों से अजमेर, धौलपुर एसटीएफ और धौलपुर पुलिस लेकर पहुंची थी। इनकी सुरक्षा में करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात रहे।

सुबह करीब साढ़े सात बजे जगन का शव गांव पहुंच गया था। गांव में 9 थानों (सोने का गुर्जा, बाड़ी सदर, बाड़ी कोतवाली, बसई डांग, कंचनपुर, निहालगंज, धौलपुर सदर, राजाखेड़ा, मनिया) की पुलिस तैनात रहीं। एएसपी श्रवण कुमार और सीओ महेंद्र कुमार खुद चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे थे।

29 जून को अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या कर दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि भरतपुर के कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी विष्णु ने जगन गुर्जर की टॉवल (तौलिए) से गला दबाकर मर्डर किया। हार्डकोर बंदी विष्णु और जगन गुर्जर एक ही बैरक में बंद थे। इसके बाद परिवार वाले धरने पर बैठ गए थे।

दौसा में बस-ट्रेलर भिड़े, 8 लोगों की मौत

डीएनए टेस्ट से पहचान होगी, आग में फंसे थे 40 पैसेंजर्स

दौसा

राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात बस-ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने से और 2 की सिर पर चोट लगने के कारण हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक्सीडेंट कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ है। बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी स्लीपर में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 40 पैसेंजर्स थे।

इनमें 21 लोग घायल भी हैं। 6 मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट भरी हुई थी।

सीएम ने दुख जताया

हादसे को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट पर दुख जताया. उन्होंने लिखा कि दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना में जनहानि का समाचार पीड़ादायक है. ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें. घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं।

दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा का दावा है कि स्लीपर बस में आग लगने के बाद पैसेंजर्स बाहर ही नहीं निकल सके। इसका बड़ा कारण है बस का इमरजेंसी गेट ही नहीं खुला।

बस के पैसेंजर ने बताया कि स्लीपर हंस ट्रेवल्स की थी। मंगलवार शाम करीब 5 बजे बस ऋषिकेश से इंदौर के लिए निकली थी। एक्सीडेंट के तुरंत बाद बस में आग लग गई थी। करीब एक घंटे तक घायलों को कोई मदद नहीं मिली।

पाकिस्तान में 125 साल पुराने गुरुद्वारे को तोड़े जाने की भारत ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के फारूकाबाद में 125 साल पुराने गुरुद्वारे श्री गुरु सिंह सभा साहिब को तोड़े जाने की खबरों को 'बेहद परेशान' करने वाली 'बेहद निंदनीय और सोची-समझी हरकत' बताते हुए इस मामले की जांच कराने और दोषियों को सजा देने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि सिखों के इस पवित्र धार्मिक स्थल के खिलाफ की गई तोड़-फोड़ की हम 'कड़ी निंदा' करते हैं।

सेना की जासूसी के बदले पहुंचाता था रुपए, आईएसआई एजेंट गिरफ्तार

जयपुर

राजस्थान पुलिस की सीआईडी (इंटेलिजेंस) शाखा ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (ISI) के लिए फंडिंग नेटवर्क चलाने वाले एजेंट को गिरफ्तार किया है। सीआईडी ने रफीक चांद शेख पुत्र चांद मियां शेख (41) निवासी महाराष्ट्र के औरंगाबाद को 30 जून को पकड़ा।

रफीक चांद शेख 4 साल से जासूसी गतिविधियों में शामिल लोगों तक ISI की ओर से भेजे जाने वाले रुपए पहुंचा रहा था। मामले में जांच चल रही है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

ADG इंटेलिजेंस प्रफुल्ल कुमार ने बताया- सीआईडी (इंटेलिजेंस) राजस्थान ने जनवरी में एक मामले में जैसलमेर निवासी झबरा राम और असम के डिब्रूगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर एमटीएस पद पर तैनात सुमित कुमार को गिरफ्तार किया था।

इन दोनों पर भारतीय सेना से संबंधित गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के हैंडलरों तक पहुंचाने का आरोप है।

सरकार ने वॉट्सएप से यूजरनेम फीचर रोकने को कहा

मेटा को नोटिस, 3 दिन में जवाब मांगा

टेलीग्राम की तरह गलत इस्तेमाल की आशंका

नई दिल्ली

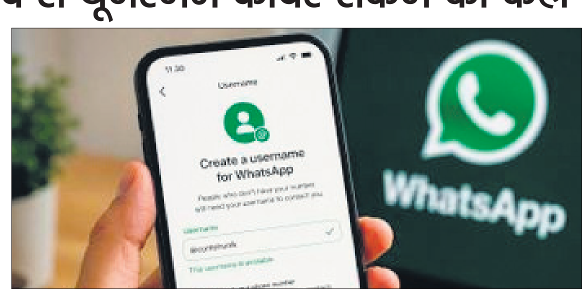

केंद्र सरकार ने भारत में वॉट्सएप का यूजरनेम फीचर फिलहाल लॉन्च नहीं करने को कहा है। सरकार ने मेटा को निर्देश दिया है कि जब तक इस फीचर पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसे भारत में शुरू न किया जाए।

सरकार ने मेटा को नोटिस भी भेजा है और 3 दिन के भीतर इस फीचर पर जवाब मांगा है। सरकार इस फीचर के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल सरकार और मेटा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सरकार वॉट्सएप के नए यूजरनेम फीचर की जांच करना चाहती है। सरकार का कहना है कि इस फीचर से पहचान छिपाकर धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड का खतरा काफी बढ़ सकता है। चिंता इस बात को लेकर है कि जब यूजर्स को फोन नंबर छिपाने की आजादी मिल जाएगी, तो जालसाजों के लिए किसी दूसरे के नाम का फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों को धोखा देना आसान हो सकता है।

राजस्थान में एक-दो दिन में पहुंचेगा मानसून

जयपुर

प्रदेश में मानसून की दस्तक 2 या 3 जुलाई को हो सकती है। इससे पहले ही जयपुर सहित कई शहरों में बुधवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। राजस्थान में इस साल मानसून 8 दिन की देरी से अगले 48 घंटे में पहुंचने की संभावना है। एक्सपर्ट का दावा है कि 13 साल में ये तीसरा मौका है, जब मानसून जुलाई में एंट्री करेगा।

इसके प्रभाव से कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है, जबकि 6 जुलाई तक राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राजस्थान के पूर्वी भागों में 2-3 जुलाई को मानसून प्रवेश की प्रबल संभावना है। राज्य के पूर्वी व दक्षिण पूर्वी भागों में 2 जुलाई से ही मेघगर्जन, तेज हवाओं के साथ बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा 3 जुलाई के आसपास मानसून प्रवेश की प्रबल संभावना है।

डीएनटी समुदाय के महापड़ाव ने लिया उग्र रूप, पुलिस पर पथराव

पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ा, आंसू गैस के गोले छोड़े

जयपुर

जयपुर में बुधवार शाम घुमंतू और अर्धघुमंतू जातियों की महापंचायत के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। महापंचायत के बाद प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

पथराव में 12 से ज्यादा लोगों (पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग) को चोटें आई हैं। तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में कर लिया। पुलिस ने कुछ उपद्रवी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

10% आरक्षण को लेकर बुलाई गई थी महापंचायत

घुमंतू और अर्धघुमंतू समाज के लोग 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर बुधवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में महापंचायत कर रहे थे। महापंचायत खत्म होने के बाद शाम करीब 6 बजे समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने की घोषणा कर दी।

पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त कर रखे थे और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की हुई थी। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स पार करने की कोशिश की तो पुलिस ने उनको रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प शुरू हो गई।

पुलिस और स्थानीय लोगों पर किया पथराव

डीसीपी (DCP) नॉर्थ करण शर्मा ने बताया- प्रदर्शनकारियों की मांगों को लेकर पुलिस ने उनके एक प्रतिनिधिमंडल (डेलिगेशन) की सरकार के उच्च स्तर पर मुलाकात भी करवाई थी, जहां काफी सकारात्मक वार्ता हुई। इसके बावजूद कुछ प्रदर्शनकारी अचानक उग्र हो गए।

डीसीपी ने बताया- सुरक्षा के लिहाज से धरनास्थल पर बैरिकेडिंग की गई थी, जिसे प्रदर्शनकारियों ने तोड़ने की कोशिश की। कुछ लोगों ने स्थानीय निवासियों के साथ बदतमीजी की। जब उन्हें ऐसा करने से रोका गया, तो उन्होंने पुलिस और स्थानीय लोगों पर पथराव कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ा। पथराव में 12 से ज्यादा लोगों (पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग) को चोटें आई है। पुलिस के लाठीचार्ज में कुछ प्रदर्शनकारी भी चोटिल हुए हैं। पुलिस ने करीब 50 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

पीओके में प्रदर्शन: लोग बोले- हम पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

1 करोड़ का इनामी शौकत नवाज गिरफ्तार

जेएएसी के 600 से ज्यादा नेता-कार्यकर्ता हिरासत में

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। मंगलवार को रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में हजारों लोग जुटे। उन्हेंने कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। यह आंदोलन जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी की अगुआई में चल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेएएसी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर को दो साथियों के साथ धीरकोट के सांगर फत्तारे इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। पीओके में जेएएसी के 600 से ज्यादा नेता और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

शौकत नवाज मीर समेत जेएएसी के नेताओं की गिरफ्तारी की सूचना देने वालों के लिए पाकिस्तान सरकार ने 1 करोड़ के इनाम की घोषणा की थी।

प्रदर्शन के दौरान जेएएसी नेता सरदार अमन खान ने कहा, 'हमें आपके राशन की जरूरत नहीं, आपको हमारी जरूरत है। अगर जरूरी सामान की सप्लाई बंद रही तो लोग जिंदा रहने के लिए दूसरा रास्ता चुनने को मजबूर होंगे।

उत्तर प्रदेश में हादसों का कहर: 9 की मौत, 22 घायल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दो अलग-अलग हादसों ने राज्य को स्तब्ध कर दिया, जिसमें कम से कम 9 लोगों की जान चली गई और 22 अन्य घायल हो गए। इन दुखद घटनाओं में एक भीषण बस दुर्घटना और तूफान के कारण पेड़ गिरने का हादसा शामिल है। पहला हादसा सुबह मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ, जब एक डबल-डेकर स्लीपर बस ट्रक से टकरा गई। राया पुलिस स्टेशन इलाके में हुई भीषण टक्कर में चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ से नोएडा जा रही बस में करीब 65 यात्री सवार थे। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मृतकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है, वहीं हादसे के कारणों की जांच जारी है। एक अलग और उतनी ही हृदय विदारक घटना में, फिरोजाबाद जिले में एक ई-रिक्शा पर अचानक एक बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। यह हादसा तब हुआ जब एटा ज़िले के आवागढ़ से फरिहा जा रहे ई-रिक्शा पर ज़ोरदार तूफ़ान के दौरान सड़क किनारे खड़ा पेड़ आ गिरा, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। पेड़ गिरने से ई-रिक्शा बुरी तरह पिचक गया और उसमें सवार सभी आठ यात्री अंदर ही फंस गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और जेसीबी मशीन की मदद से पेड़ को हटाकर पीड़ितों को बाहर निकाला। घायलों को सरकारी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही गजेंद्र (28), हरेश पाल (59), विष्णु (20), अमन (17) और गंगा सिंह (65) नामक पांच लोगों ने दम तोड़ दिया। तीन घायलों का ज़िला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्कूल बस पर गिरा विशाल पेड़, छात्रा की मौत, 10 बच्चे घायल

-चेंबूर में बारिश और तेज हवा के बीच हुआ हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूल बस पर अचानक एक विशाल पेड़ गिर गया। इस हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्कूल बस पेड़ के नीचे खड़ी थी। बस में कुल 13 छात्र सवार थे। इसी दौरान लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण कमजोर हो चुका एक बड़ा पेड़ अचानक बस पर गिर पड़ा। हादसा इतना अचानक हुआ कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पेड़ गिरने के बाद बस के भीतर कई छात्र फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस, दमकल विभाग और बचाव टीम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीमों ने पेड़ को काटकर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान भारी मशीनों और उपकरणों की मदद ली गई। हादसे में घायल बच्चों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों का इलाज जैन अस्पताल सहित अन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक छात्रा की इस हादसे में मृत्यु हो गई, जबकि अन्य बच्चों का उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का आरोप है कि उन्होंने पहले भी संबंधित अधिकारियों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को इलाके के पुराने और कमजोर पेड़ों की छंटाई तथा रखरखाव को लेकर कई बार शिकायत की थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व महापौर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता किशोरी पेडणेकर ने पेड़ों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम से पहले कमजोर और पुराने पेड़ों की जांच तथा छंटाई अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित क्षेत्र के उद्यान विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि समय पर निरीक्षण और रखरखाव से इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता था। लगातार हो रही बारिश के बीच मुंबई में पेड़ों के गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं।

शिंदे का ऑपरेशन टाइगर जारी: यूबीटी के एमएलसी सचिन अहीर पाला बदलकर शिंदे गुट में

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को फिर बड़ा झटका लगा है। पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हुए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर भरा है। इस नए घटनाक्रम ने उपमुख्यमंत्री शिंदे की राजनीतिक रणनीति को फिर सुर्खियों में ला दिया है। उनकी रणनीति को अक्सर ऑपरेशन टाइगर के नाम से जाना जाता है, जिसके तहत वे लगातार उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) सहित अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को अपनी ओर खींच रहे हैं। सचिन अहीर के पाला बदलने से महाराष्ट्र की राजनीति में गहमागहमी बढ़ गई है और यह उद्धव ठाकरे के लिए एक और चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी को एकजुट रखने का दबाव उन पर बढ़ता जा रहा है।

हाईकोर्ट जाइएज्भरत तिवारी एनकाउंटर केस सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीधे सुनवाई से इंकार कर संबंधित हाईकोर्ट जाने को कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से मना किया। यह याचिका भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी। याचिका में दावा था कि भरत तिवारी का एनकाउंटर फर्जी था, और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करने की मांग की गई थी। साथ ही, याचिकाकर्ता ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश देने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि कानून के राज और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना जरुरी है। इसके लिए जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में बनी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति करे। वहीं पुलिस का दावा है कि भरत तिवारी एक आपराधिक मामले में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान उनकी मौत हो गई।

शरद पवार-कांग्रेस विलय: 27 साल बाद कांग्रेस में 'घर वापसी', शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है।

27 साल बाद 'घर वापसी' की तैयारी?

सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' (NCP) का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी (NCP-SP) महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

हाल के झटकों से पार्टी चौकन्ना

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फ़ैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस लीडरशिप ने NCP (शरदचंद्र पवार) के उन विधायकों और सांसदों को हरी झंडी दे दी है जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 85 साल के शरद पवार और उनकी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को लेकर दो अलग-अलग राय सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी का एक धड़ा नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) में शामिल होने के पक्ष में है। उनका तर्क है कि पार्टी की संसदीय ताक़त उसे NDA का हिस्सा बनने में मदद कर सकती है।

एनडीए बनाम कांग्रेस विलय पर आंतरिक मतभेद

इस खेमे के नेताओं का यह भी मानना है कि विपक्ष में रहने के कारण राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर विकास कार्यों और अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करवाना मुश्किल हो गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार चाहते थे कि अगर NCP के दोनों गुट फिर से एक हो जाएं, तो भी NDA के साथ ही बने रहा जाए, क्योंकि वे पहले से ही इस गठबंधन का हिस्सा थे। हालांकि, उनके निधन के बाद दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना कम हो गई है, लेकिन पार्टी के इस धड़े का मानना है कि NDA में अलग से शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पार्टी के भीतर एक दूसरा गुट कांग्रेस के साथ विलय के पक्ष में बताया जाता है।

खामेनेई की मौत: प्रियंका चतुर्वेदी और कंचन गुप्ता के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को अंतिम विदाई देने के बाद भी भारत में उनकी मौत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता के बीच मामले पर तीखी बहस छिड़ गई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत सरकार पर खामेनेई की मौत पर आधिकारिक चुप्पी साधने का आरोप लगाया है, जबकि कंचन गुप्ता ने गलत जानकारी बताकर पलटवार किया है। कंचन गुप्ता ने पोस्ट कर शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी पर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 28 फरवरी को अपने ईरानी समकक्ष से बात की थी, जिस दिन पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ था। इसके अतिरिक्त, विदेश सचिव ने 5 मार्च को ईरानी दूतावास का दौरा किया था, तभी जब दूतावास ने शोक-संदेश पुस्तिका खोली थी। गुप्ता ने कहा कि ये दोनों बातें सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा हैं और विदेश मामलों में गहरी रुचि रखने वाली पूर्व सांसद के लिए अपनी बात को सही साबित करने के लिए मनगढ़ंत तथ्य गढ़ना शोभा नहीं देता। जवाब में, प्रियंका चतुर्वेदी ने कंचन गुप्ता के बयान को आधी-अधूरी बात बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मूल पोस्ट खामेनेई की मौत पर भारत सरकार द्वारा शोक व्यक्त न करने के बारे में थी। उन्होंने 28 फरवरी को जयशंकर के उस ट्वीट का हवाला दिया जिसमें उन्होंने इजरायल और ईरान के विदेश मंत्रियों से बात करके संयम बरतने की अपील की थी, लेकिन खामेनेई की मौत के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा था। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने कहा कि जब तक विदेश सचिव ने शोक संदेश वाली किताब में संदेश नहीं लिखा, तब तक भारत सरकार ने उनकी मौत पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 1 मार्च को नेतन्याहू से बातचीत का भी जिक्र किया, जिसमें खामेनेई की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमले से अंतरराष्ट्रीय निंदा, भारत ने दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किए गए हवाई हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहरी चिंता पैदा की है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 163 अन्य घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने पुष्टि की कि कई घरों को निशाना बनाया गया, जिससे मरने वालों में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने घटना पर गहरी चिंता जताकर नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सभी पक्षों से हिंसा छोड़कर कूटनीति का रास्ता अपनाने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने की अपील की। यूरोपीय संघ ने भी संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक रिचर्ड बेनेट ने निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की, जबकि ब्रिटेन के विशेष दूत रिचर्ड लिंडसे ने बढ़ती हिंसा पर दुख व्यक्त कर शांति की अपील की।

इस बीच, भारत ने पाकिस्तान के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पाकिस्तान की खुली आक्रामकता अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने अटूट समर्थन जताकर और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जवाबी कार्रवाई में, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के चार्जे डी' अफेयर्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने और नागरिकों के घरों पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया। अफगानिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं के लिए लंबे समय से अफगानिस्तान को दोषी ठहरा रहा है, और सैन्य कार्रवाई से नहीं बल्कि बातचीत से समाधान निकालने का आग्रह किया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला

-सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- '2024 में अयोध्या ने सबक सिखाया, लेकिन भाजपा ने नहीं सीखा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर राजनीतिक गलियारा लगातार गरमाता जा रहा है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी मामले में सफाई देने और स्थिति स्पष्ट करने में जुटी है, वहीं विपक्षी दल केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बने हुए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है।

दरअसल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ पार्टी ने आरोप लगाया कि लोगों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से यह संदेश फैलाया जा रहा है कि भगवान राम स्वयं सब देख रहे हैं और इस मामले को लेकर विपक्ष को बोलने की आवश्यकता नहीं है। सुप्रिया श्रीनेत ने अपने बयान में कहा, भाजपा हिंदू समाज में उत्पन्न नाराजगी और आक्रोश को शांत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम सब देखते हैं और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अयोध्या की जनता ने भाजपा को हराकर एक संदेश दिया था, लेकिन पार्टी ने उससे कोई सबक नहीं लिया।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और उनसे जुड़े संगठनों ने भगवान राम की भावनाओं को समझने में भूल की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रावण ने भगवान राम को कमतर आंकने की गलती की थी, उसी प्रकार भाजपा ने भी जनता की भावनाओं को नजरअंदाज किया है। सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए कहा, कथित अनियमितताओं के मामले में लीपापोती या जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच और गिरफ्तारियों को लेकर हाल के दिनों में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा की ओर से विभिन्न स्तरों पर सफाई दी जा रही है।

राम मंदिर चंदा घोटाले पर मायावती सख्त, कार्रवाई और सिस्टम बदलने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की और साथ ही मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की चेतावनी दी। पूर्व सीएम मायावती ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, गबन और हेराफेरी की मीडिया रिपोर्टें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने मामले का राजनीतिकरण करने को भी अनुचित बताया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने भविष्य में ऐसी शिकायतों को रोकने के लिए देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में जारी अकाउंटिंग प्रणाली को अपनाने का सुझाव दिया, ताकि मामले को जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। उन्होंने अपराध, राजनीति और धर्म को आपस में न मिलाने की चेतावनी देकर कहा कि यही उचित होगा और संविधान के अनुरूप होगा। यह बयान अयोध्या पुलिस और राज्य सरकार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की चल रही जांच के बीच आया है। मामले में अब तक दान की नकदी की गिनती से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, मंदिर प्रबंधन से जुड़े उच्च-स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

इस बीच, पुलिस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ताओं ने उनसे प्रशासनिक फैसलों और दान के प्रबंधन से जुड़े कई अहम सवाल पूछे। चंपत राय ने दान की चोरी में अपनी भूमिका से इंकार किया है। पुलिस अब उनके बयान की तुलना अन्य गवाहों और सबूतों से करेगी। एसआईटी जुलाई के पहले सप्ताह में अपनी जांच पूरी कर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है।

चुनाव के बाद टीएमसी में बगावत.... खुद को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

-वेणुगोपाल ने दिए संगठन को मजबूत करने के आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने हाल ही में पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा कर पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने राज्य के नेताओं को आगामी विधानसभा उपचुनावों और निकाय चुनावों से पहले पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के निर्देश दिए है। यह दौरा राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने दौरे के दौरान जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों और पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में हालिया चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा हुई और पश्चिम बंगाल के मौजूदा राजनीतिक हालात पर गंभीर चर्चा हुई। इन महत्वपूर्ण बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर, पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, पार्टी सचिव अंबा प्रसाद सहित कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी शिरकत की। बैठकों में कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय बनने पर जोर दिया गया। वेणुगोपाल ने बूथ और प्रखंड स्तर की समितियों को मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी विधानसभा उपचुनावों के साथ-साथ नगर पालिका व नगर निगम चुनावों के लिए संगठन को पूरी तरह तैयार करने पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि पार्टी को जनता के बीच अपनी उपस्थिति और पकड़ को मजबूत करना होगा। पार्टी ने आगामी 21 जुलाई को प्रदेश कांग्रेस के प्रस्तावित 'शहीद मीनार चलो' कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की और पार्टी कार्यकर्ताओं से इसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। इसके अतिरिक्त, वेणुगोपाल ने प्रदेश इकाई से देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और 9 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाली इसकी समापन रैली के लिए विद्यार्थियों और युवाओं को एकजुट करने का भी आग्रह किया। यह सभी प्रयास पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के पुनरुत्थान और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से तत्काल जमानत नहीं, गंभीर स्वास्थ्य बिगड़ने पर विचार

-राजस्थान सरकार तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में आसाराम बापू की जमानत याचिका पर तत्काल कोई राहत देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की बेंच ने राजस्थान सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें आसाराम ने जोधपुर में नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि वह राज्य का पक्ष सुने बिना या जब तक आसाराम की सेहत स्पष्ट रूप से बेहद गंभीर न हो जाए, जमानत देने के पक्ष में नहीं है।

यह मामला अगस्त 2013 का है, जब आरोप लगा था कि आसाराम बापू के जोधपुर आश्रम में नाबालिग भक्त को गलत तरीके से बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न किया था। एक ट्रायल कोर्ट ने आसाराम बापू को रेप और संबंधित अपराधों के लिए दोषी माना था, जिसकी सजा को साल 2026 मई में राजस्थान हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने आपराधिक साजिश और गैंग रेप के आरोपों से आसाराम और सह-आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

आसाराम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट से उनकी मेडिकल कंडीशन पर विचार करने की अपील की। वकील नायडू ने बताया कि आसाराम अब 90 साल के हैं और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनका इलाज आयुर्वेदिक अस्पताल में हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रायल को लेकर चिंता जताकर कोर्ट को ही अपनी एकमात्र उम्मीद बताया।

राजस्थान सरकार के वकील ने किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह मामला एक नाबालिग पीड़िता से जुड़ा है और आसाराम को आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर उन्हें जमानत पर रिहा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में निर्देश दिया कि आसाराम को दी जा रही मेडिकल सुविधाएं जारी रह सकती हैं। बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत के सवाल पर राज्य का पक्ष सुनने के बाद ही विचार होगा। हालांकि, कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि अगर आसाराम की तबीयत बेहद गंभीर हो जाती है और जान बचाने की नौबत आती है, तब तत्काल राहत के लिए मामले का उल्लेख किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को तीन हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

सप्तपदी के बिना हिंदू विवाह अमान्य, चाहे वैध सर्टिफिकेट हो: गुजरात हाईकोर्ट

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निर्धारित आवश्यक रस्में, जैसे कि सप्तपदी (सात फेरे) के बिना, सिर्फ एक पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र किसी हिंदू शादी को वैध नहीं बना सकता। जस्टिस इलेश जे वोरा और आरटी वछानी की खंडपीठ ने कहा कि विवाह प्रमाण पत्र केवल उस शादी का सबूत है जो पहले ही सही ढंग से संपन्न हुई है, यह ऐसी शादी को वैध नहीं करता जिसमें निर्धारित रस्में कभी निभाई नहीं गई।

गुजरात कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर बताया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत, हिंदू शादी दोनों में से किसी भी पक्ष के रीति-रिवाजों और रस्मों के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। यदि इन रस्मों में सप्तपदी शामिल है, तब शादी सातवें कदम के बाद ही पूर्ण और कानूनी रूप से मान्य होती है। कोर्ट ने कहा कि संपन्न शब्द का अर्थ है कि शादी सही तरीके से और ज़रूरी रस्मों के साथ होनी चाहिए, जिनके बिना कानून की नज़र में कोई वैध हिंदू शादी नहीं मानी जाती।

यह मामला यूनाइटेड किंगडम निवासी एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा था। व्यक्ति ने दावा किया कि मुझे एक महिला के साथ अपनी कथित शादी का तब पता चला जब वह शादी का सर्टिफिकेट लेकर उसके माता-पिता के पास पहुंची। शख्स ने आरोप लगाया कि उसने कभी उस महिला से शादी नहीं की, न कोई हिंदू रीति-रिवाज या रस्में निभाईं, और न ही कभी पति-पत्नी के तौर पर साथ रहा। शख्स ने आरोप लगाया कि मुझसे धोखे से शादी के कागजात पर दस्तखत कराए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान महिला ने खुद लिखित में स्वीकार किया कि शादी की कोई रस्म या समारोह नहीं हुआ था और दोनों के बीच पति-पत्नी का कोई रिश्ता नहीं था। इन स्वीकारोक्तियों के बावजूद, फैमिली कोर्ट ने शादी को अमान्य घोषित करने से इंकार किया था, यह मानते हुए कि पंजीकृत प्रमाण पत्र के कारण पूरी सुनवाई की आवश्यकता है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब महिला ने स्वयं मान लिया है कि हिंदू शादी की आवश्यक रस्में कभी नहीं निभाई गईं, तब दोनों पक्षों को लंबी सुनवाई से गुजरने के लिए मजबूर करने का कोई कारण नहीं है। बेंच ने कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 8 के तहत पंजीकरण केवल कानूनी तौर पर हुई शादी का सबूत देता है; यह अपने आप में पति-पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता। हाईकोर्ट ने सप्तपदी के महत्व का जिक्र कर कहा कि हिंदू शादी एक संस्कार है, न कि केवल गाने-बजाने या खाने-पीने का मौका, और न ही यह कोई कारोबारी लेनदेन है, यह एक पवित्र संस्था है। इस कारण, कोर्ट ने उस कथित शादी को अमान्य घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता को शादी के पंजीकरण और प्रमाण पत्र को रद्द करवाने के लिए संबंधित अधिकारी के पास जाने की इजाज़त दे दी।

श्मशान घाट की बदहाली ने छीना सम्मानजनक अंतिम संस्कार का अधिकार

बारिश में अधजली रह जाती हैं चिताएं, श्मशान तक पहुंचने का रास्ता भी नहीं, 700 मतदाताओं वाले गांव में सड़क, शेड और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा तहसील की डाबला चांदा ग्राम पंचायत के मालखेड़ा गांव में आज भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति गांव के श्मशान घाट की है, जहां मृतकों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार करना भी ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित श्मशान घाट तक जाने के लिए कोई पक्का रास्ता नहीं है। अतिक्रमण के कारण मार्ग बेहद संकरा हो चुका है और बरसात के दिनों में कीचड़ व जलभराव के चलते पूरी तरह दुर्गम बन जाता है। कई स्थानों पर एक-एक फीट तक कीचड़ भर जाने से शवयात्रा निकालना भी मुश्किल हो जाता है।

बारिश में अधूरी रह जाती हैं अंतिम क्रियाएं

श्मशान घाट पर टीन शेड या किसी स्थायी छायादार व्यवस्था का अभाव है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान

कई बार अंतिम संस्कार के समय बारिश शुरू हो जाती है, जिससे चिताएं पूरी तरह नहीं जल पातीं और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया बाधित हो जाती है। इससे मृतक के परिजनों की भावनाएं गहरे स्तर पर आहत होती हैं।

खेतों के बीच से निकलती है अंतिम यात्रा

श्मशान तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को खेतों के बीच बने संकरे रास्तों से गुजरना पड़ता है। फसल खड़ी होने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। ट्रैक्टर या अन्य वाहन ले जाना लगभग असंभव हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले यह क्षेत्र चारागाह भूमि था, लेकिन अतिक्रमण कर खेत बना दिए गए, जिससे रास्ता भी प्रभावित हो गया है।

बबूल के कांटे और दुर्गम मार्ग बने मुसीबत

रास्ते में जगह-जगह बबूल के कांटे और झाड़ियां फैली हुई हैं। ऐसे में अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी भारी परेशानी झेलने को मजबूर हैं।

पेयजल संकट भी बना बड़ी समस्या

ग्रामीणों ने बताया कि चंबल जल परियोजना की पाइपलाइन होने के बावजूद नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। कभी चार दिन तो कभी एक सप्ताह बाद पानी मिलता है। मजबूरी में लोगों को लगभग तीन किलोमीटर दूर रेहड़ गांव से अपने साधनों से पानी लाना पड़ता है।

कई बार शिकायत, फिर भी नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट तक पक्का रास्ता, अतिक्रमण हटाने, शेड निर्माण और पेयजल समस्या के समाधान के लिए कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन वर्षों बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

देवखेड़ा में बच्चे के हाथ में कथित मोबाइल ब्लास्ट, झुलसा बालक

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। शाहपुरा क्षेत्र के देवखेड़ा गांव में एक बच्चे के साथ मोबाइल से जुड़ा एक हादसा सामने आया है। सामाजिक कार्यकर्ता बसंत वैष्णव के अनुसार, एक बच्चे के पास टेक्नो कंपनी का मोबाइल था। बताया जा रहा है कि मोबाइल उसकी पैंट की जेब में रखा हुआ था। इसी दौरान बच्चे को जेब में तेज गर्माहट महसूस हुई। जैसे ही उसने मोबाइल को जेब से बाहर निकालने का प्रयास किया, उसी समय मोबाइल में कथित रूप से ब्लास्ट हो गया।

हादसे में बच्चे का हाथ झुलस गया, वहीं जांघ के पास भी जलने की चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद परिजन बच्चे को उपचार के लिए शाहपुरा सेटेलाइट अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है।

सामाजिक कार्यकर्ता बसंत वैष्णव ने घटना की जानकारी देते

हुए बताया कि बच्चे की स्थिति पर चिकित्सकों की निगरानी रखी जा रही है।

फिलहाल मोबाइल में ब्लास्ट होने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह स्पष्ट नहीं है कि हादसा बैटरी में खराबी, अधिक गर्म होने या किसी अन्य तकनीकी कारण से हुआ। संबंधित कंपनी या प्रशासन की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर बैठक, पौधारोपण कर सुरक्षा का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

आकोला। काछोला कस्बे में पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण को लेकर आयोजित बैठक में तहसीलदार शैतान सिंह मीणा ने कहा कि पेड़ धरती का श्रृंगार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया, ताकि गांव और प्रदेश को हरा-भरा बनाया जा सके।

तहसीलदार मीणा ने कहा कि जन्मदिन अथवा किसी भी खुशी के अवसर पर अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मांडलगढ़ विधायक प्रतिनिधि संदीप सोनी ने की। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं। केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण प्रेमियों का सम्मान भी किया गया।

बैठक के बाद सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण किया तथा पौधों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर भाजपा सह-संयोजक संदीप महेश्वरी, वरिष्ठ शिक्षक नवल कुमार जेथलिया, कैलाश चंद्र टाक जहाजपुर,गिरदावर प्रकाश मुद्‌डा, पटवारी चन्द्रवीर सिंह, जय सिंह, आलोक जैथलिया, नवल कुमार, नरेश पारीक, योगेश मालू, परमेश्वर मंत्री, गोपाल मंत्री, चन्द्रप्रकाश यादव, प्रवीण टेलर सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी उपस्थत रहे।

डॉक्टर्स डे पर कांग्रेस ने किया चिकित्सकों का स्वागत एवं सम्मान

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। शाहपुरा-राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा ग्रामीण चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लादूलाल खटीक एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन के नेतृत्व में शाहपुरा के जिला चिकित्सालय, आयुर्वेद चिकित्सालय एवं होम्योपैथिक चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों का माला पहनाकर, गुलाब का फूल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक अपने समर्पण, सेवा और मानवता के भाव से समाज को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर्स डे उनके प्रति सम्मान, आभार और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कांग्रेस परिवार ने सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर नगर पालिका के निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामप्रसाद धाकड़, सरपंच भगवत सिंह मानक घुसर, अर्जुन सिंह राणावत, कांग्रेस नेता सुनील मिश्रा, ओम सिंधी, चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव अतुल त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष युवा कांग्रेस अमन पौंड्रिक, आनंद तिवारी, पूर्व पार्षद शंकर खटीक, नाथू कोली, कुतुबुद्दीन, हंसराज धोबी सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

2 करोड़ की अटल प्रगति पथ सड़क पर सवालः उद्घाटन से पहले ही दरकी सड़क, जांच में अनियमितता के बाद अब लिपापोती के आरोप

स्मार्ट हलचल

फुलिया कलां में करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अटल प्रगति पथ सड़क एक बार फिर विवादों में है। आरोप है कि सड़क का उद्घाटन होने से पहले ही कई स्थानों पर सड़क दरक गई थी। इसके बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग की क्वालिटी कंट्रोल जांच समिति ने निरीक्षण कर निर्माण कार्य में अनियमितताएं पाई थीं।

अब स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की गुणवत्ता सुधारने के बजाय दरकी हुई सड़क को पूरी तरह दोबारा बनाने की जगह केवल क्षतिग्रस्त हिस्सों को तोड़कर पैबंद लगाकर लीपापोती की जा रही है।

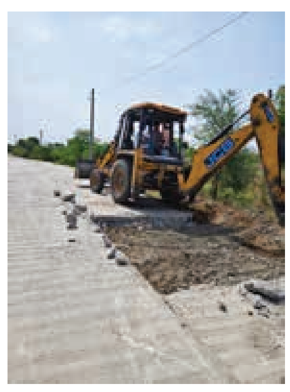

इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकारी धन के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जब करोड़ों रुपये जनता के टैक्स से खर्च किए गए हैं तो सड़क कुछ ही समय में क्यों टूट गई? यदि जांच में अनियमितताएं सामने आ चुकी हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों, अभियंताओं और ठेकेदार के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई? यह सवाल आमजन के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

लोगों का कहना है कि सड़क की केवल मरम्मत कर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, जबकि दोषियों पर सख्त कार्रवाई कर पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क की गुणवत्ता की दोबारा तकनीकी जांच कराई जाए और यदि निर्माण में लापरवाही या भ्रष्टाचार सिद्ध होता है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है

जब सड़क उद्घाटन से पहले ही दरक गई थी तो गुणवत्ता की जिम्मेदारी किसकी है?

जांच समिति द्वारा अनियमितताएं मिलने के बाद भी दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

क्या करोड़ों रुपये की परियोजना में सिर्फ पैबंद लगाकर मामले को खत्म किया जाएगा, या जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही भी तय होगी?

यह मामला अब केवल सड़क की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि जनता की गाढ़ी कमाई और सरकारी धन के पारदर्शी उपयोग से जुड़ा बड़ा सवाल बन गया है।

सीए डे पर रक्तदान सहित विविध आयोजन

चित्तौड़गढ़। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की स्थानीय ब्रांच द्वारा सीए डे के उपलक्ष्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ किया गया।

ब्रांच सचिव सीए गौरव जागेटिया ने बताया कि सीए डे के उपलक्ष्य में बुधवार ब्रांच अध्यक्ष सीए प्रकाश मुरोठिया ने ध्वजारोहण कियाा। उन्होंने बताया कि सभी कमेटी मेम्बर, पूर्व चेयरमैन व अन्य सीए सदस्यो द्वारा गांधीनगर गो शाला में गायो को लापसी खिला कर सेवा कार्य किया। इसी प्रकार सांवलियाजी चिकित्सालय की टीम के सहयोग से व जेसीआई चित्तौड़ चेतक के संयुक्त तत्वाधान में विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या के मुख्य आतिथ्य में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ब्रांच सदस्यों, छात्रों, जेसीआई चित्तौड़ चेतक के सदस्यों एवं अन्य समाजसेवियों ने भाग लेकर लगभग 85 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम में सीए गोपाल मूंदड़ा, अशोक सोमानी, अंकुर गोयल, नितेश सेठिया, बीके डाड, रौनक इनानी, श्रेयांश जैन, राकेश न्याती, आकाश दुधानी, साहिल सिपानी सहित आदि उपस्थित थे।

जोगी समाज ने बदली परंपराओं की दिशा, सामाजिक कुरीतियों पर किया प्रहार

मृत्युभोज में मिठाई और रात्रिकालीन विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध, सगाई-शादी के खर्चों में भारी कटौती; नियम तोड़ने वालों पर होगी सामाजिक और कानूनी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले की माण्डल तहसील स्थित ग्राम पंचायत चांदरास में रविवार को जोगी समाज के पांच गांवों की एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के पंचों, प्रबुद्ध नागरिकों और पांचों गांवों के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर समाज में व्याप्त फिजूलखर्ची, कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के उद्देश्य से कई बड़े और कठोर निर्णय लिए। इन फैसलों को समाज सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक में लादूवास, चांदरास, जोगरास, कापड़िया और फतहपुरा गांवों के बड़ी संख्या में समाजजन, पंच एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता समाज के पांच पटेलों ने की। इस दौरान सर्वसम्मति से नौ महत्वपूर्ण नियम लागू करने का निर्णय लिया गया, जिनका पालन पूरे समाज के लिए अनिवार्य रहेगा। घुमन्तु जिला सहसंयोजक भंवर नाथ ने बताया कि समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची और सामाजिक बुराइयों को रोकने के लिए लंबे समय से इस प्रकार के निर्णय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। सभी समाजजनों की सहमति से इन नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया गया है। बैठक

में लिए गए निर्णयों मे समाज में सगाई की रस्म पर पहले लिए जाने वाले 20 से 25 हजार रुपये के खर्च को अब सीमित कर रू. 5,000 तय किया गया है, लड़के वालों की तरफ से शादी व्यवहार व रीति-रिवाज के नाम पर होने वाले रू. 40,000 के खर्च को कम करके अब मात्र रू. 10,000 तय किया गया है, पडला प्रथा के तहत होने वाले खर्च को भी सीमित करते हुए रू. 5,000 की जगह अब रू 2,000 निर्धारित किया गया है, यदि कोई सगा-संबंधी रिश्ता तय करने के बाद उसे बिना किसी जायज कारण के तोड़ता है, तो पांच पटेलों की समझाइश और अनुसंधान के बाद दोषी पक्ष पर रू. 40,000 का जुर्माना लगाया जाएगा, जो प्रार्थी को देय होगा, यदि कोई व्यक्ति किसी विवाहित महिला को भगाकर ले जाता है और एक महीने की समय सीमा के भीतर उसे वापस परिवार या पति को सौंपता है, तो उस पर सवा लाख रुपए (रू. 1,25,000) जुर्माना लगेगा। यदि वह महिला को नहीं सौंपता और अपने घर रखता है, तो ढाई लाख रुपए (रू. 2,50,000) का भारी जुर्माना देना होगा, समाज में अब रात के समय होने वाली शादियों पर पूरी तरह रोक रहेगी। सभी मांगलिक कार्यक्रम व फेरे दोपहर या सूर्यास्त से पहले संपन्न करने होंगे और बारात को भी समय रहते अपने निवास स्थान पर लौटना होगा, मृत्युभोज में फिजूलखर्ची रोकने के लिए मिठाई बनाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार केवल दाल, पुरी और लपसी ही बनाई जा सकेगी, शादी-व्याह, मांगलिक या आध्यात्मिक कार्यक्रमों में यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर हुड़दंग करता है या काम बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो उस पर रू. 1,200 का जुर्माना लगाया जाएगा और उसे समाज के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगनी होगी, समाज में किसी भी प्रकार का लड़ाई-झगड़ा होने पर सबसे पहले समाज के पांच पटेलों को सूचित करना अनिवार्य होगा। पंचों के स्तर पर समाधान न होने की स्थिति में ही पुलिस में जाया जा सकेगा शामिल है। बैठक में गोरधन नाथ, जिलाध्यक्ष घुमन्तु लादू नाथ, सेणु नाथ, रतन नाथ, श्रवण नाथ भोपाजी, मदन नाथ, मोहन नाथ, सुवानाथ, बापू नाथ, पूरण नाथ, भैरूनाथ, गजु नाथ सहित पांचों गांवों के अनेक पंच, समाजसेवी और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। समाज के पंचों ने स्पष्ट किया कि इन नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ समाज स्तर पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे। जोगी समाज द्वारा लिए गए इन निर्णयों को क्षेत्र में सामाजिक सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है।

दहेज प्रताड़ना मामले में अदालत जाने पर सामाजिक बहिष्कार का आरोप

पीड़ितों ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

स्मार्ट हलचल| आसीन्द

जिले में दहेज प्रताड़ना के मामले में न्यायालय की शरण लेने पर सामाजिक बहिष्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि विवाह के बाद उनकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर घरेलू हिंसा एवं प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। इस मामले में जाति पंचायत के बजाय वैधानिक न्यायालय में न्याय की गुहार लगाने से नाराज होकर समाज के कुछ पदाधिकारियों ने 7 सितंबर 2025 को उनका सामाजिक बहिष्कार कर दिया।

पीड़ितों का कहना है कि बिना किसी निष्पक्ष सुनवाई अथवा विधिसम्मत कार्यवाही के उन्हें समाज से बाहर घोषित कर दिया गया। इसके बाद उनके हुक्का-पानी, शादी-विवाह के निमंत्रण, चोखला के सामाजिक कार्यक्रमों में आमंत्रण तथा अन्य सामाजिक संबंधों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। इतना ही नहीं, यह भी कथित रूप से चेतावनी दी गई कि जो भी व्यक्ति बहिष्कृत परिवारों से सामाजिक संबंध रखेगा, उसे भी समाज से बाहर कर दिया जाएगा।

इस मामले में पीड़ित पक्ष में सोहन लाल प्रजापत (जीवार), गोपी लाल कुम्हार (जैतगढ़), पारसमल प्रजापत (हाथीभाटा) तथा सोहन लाल कुम्हार (अजीतगढ़) शामिल हैं।

पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि श्री श्रीयादें प्रजापति विकास समिति के कुछ कार्यकारिणी सदस्यों की भूमिका इस कथित सामाजिक बहिष्कार में रही। शिकायत में जिन लोगों के नाम शामिल किए गए हैं, उनमें लादू लाल एड़ी (बदनोर), राजू (गोवलिया), छोगा लाल (अक्षयगढ़), मिश्री लाल (खड़ियाखेड़ा) तथा गोपाल लाल (सापोला) शामिल हैं।

पीड़ितों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई करने, सामाजिक बहिष्कार समाप्त कराने तथा उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग की है।

वन विभाग जबरदस्त एक्शन में: जेसीबी-ट्रैक्टर जब्त, लकड़ी तस्कर गिरफ्तार, भूमाफिया से मुक्त कराई जमीन

वन अपराधों के खिलाफ विभाग की 'जीरो टॉलरेंस' नीति आगे भी पूरी सख्ती के साथ लागू रहेगी

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिले में वन विभाग ने दो दिन में तीन बड़ी कार्रवाई कर अवैध खनन में प्रयुक्त एक जेसीबी मशीन एवं चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। साथ ही लकड़ी से भरा एक ट्रक पकड़ा है। वन भूमि से अतिक्रमण हटाया है। बूंदी के उपवन संरक्षक डॉ। ए।एन। गुप्ता ने बताया कि वन अपराधों, अवैध खनन, अवैध लकड़ी परिवहन एवं वन भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसमें वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत भविष्य में भी इसी तरह की प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। वन भूमि पर भूमाफियाओं का कब्जा हटायाः

डीएफओ आलोक नाथ गुप्ता ने बताया कि बुधवार दोपहर बूंदी रेंज के सथूर गेट नाका स्थित वनखंड नया बाग में मानकचंद सोनी ने कब्जा किया हुआ था। बुधवार को वन टीम ने जेसीबी मशीन और रेंजर विक्रम हुण की अगुवाई में उसे हटा दिया।

इसी प्रकार नैनवां के सहायक वन संरक्षक सुनील कुमार धाबाई ने वनरक्षक चंदन सिंह, दयाराम गुर्जर, राजकुमार चंदेल एवं बहादुर सिंह हाड़ा के साथ हिंडोली रेंज के नाका बसोली अंतर्गत आबड़ गांव के समीप वन क्षेत्र में दबिश दी। मौके पर आबड़ नदी से अवैध रूप से काली रेत का खनन किया जा रहा था। वन विभाग की टीम को देखते ही खनन में लगे लोग अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गऐ

कार्रवाई के दौरान ,एक जेसीबी मशीन एवं चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। बाद में क्षेत्रीय वन अधिकारी विक्रम हुण के नेतृत्व में गश्ती दल मौके पर पहुंचा और सभी वाहनों को बूंदी नर्सरी परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया। मामले में राजस्थान वन अधिनियम, 1953 के तहत प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

डीएफओ गुप्ता ने बताया कि वन विभाग ने डाबी क्षेत्रीय वन अधिकारी मनीष कुमार शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 स्थित धनेश्वर टोल प्लाजा पर नाकाबंदी की।

इस दौरान लकड़ी से भरे एक ट्रक को जब्त किया। मौके से महबूब निवासी बालापुरा, थाना दबलाना को गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त ट्रक को रेंज कार्यालय डाबी में खड़ा कराया गया है। उप वन संरक्षक डॉ। गुप्ता ने कहा कि वन अपराधों के खिलाफ विभाग की 'जीरो टॉलरेंस' नीति आगे भी पूरी सख्ती के साथ लागू रहेगी। अवैध खनन, अवैध लकड़ी परिवहन, वन भूमि पर अतिक्रमण तथा अन्य वन अपराधों में लिप्त लोगों के खिलाफ राजस्थान वन अधिनियम, 1953 एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

चित्तौड़गढ़ नगर माहेश्वरी सभा के चुनाव तीन जुलाई को, विभिन्न पदों के लिए होगा मतदान

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ नगर माहेश्वरी सभा के नगर अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के चुनाव 3 जुलाई 2026 को जागेटिया फार्म, बोजुन्दा में आयोजित किए जाएंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार अध्यक्ष, मंत्री, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री, सहमंत्री, प्रचार मंत्री तथा 17 कार्यसमिति सदस्यों के पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्र प्रातः 11 बजे तक जमा किए जाएंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच एवं प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। नाम वापस लेने का समय दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। अंतिम प्रत्याशी सूची दोपहर 1:30 बजे जारी होगी तथा आवश्यकता पड़ने पर दोपहर 2 से 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मुख्य चुनाव अधिकारी मधुसूदन बागला एवं मुख्य चुनाव संयोजक सत्यनारायण माहेश्वरी ने बताया कि नगर की सभी 12 क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री सहित नगर एवं जिला कार्यकारी मंडल के सदस्यों का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हो चुका है,।

आईसीएआई के 78वें स्थापना दिवस पर सेवा, सम्मान और सामाजिक सरोकारों का संगम

वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान, 91 यूनिट रक्तदान, निःशुल्क नेत्र जांच एवं पौधारोपण सहित विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। देश की प्रतिष्ठित वित्तीय संस्था दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के 78वें स्थापना दिवस को भीलवाड़ा शाखा द्वारा बुधवार को उत्साह, गरिमा और सामाजिक सरोकारों के साथ धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान, रक्तदान शिविर, निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान तथा पौधारोपण जैसे विभिन्न आयोजन किए गए। दिनभर चले इन कार्यक्रमों में 200 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विद्यार्थियों एवं आमजन ने भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सीए दिनेश सुथार द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इस दौरान शाखा के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में सीए विद्यार्थी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान एवं आईसीएआई के गौरवशाली इतिहास का स्मरण किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे में दीर्घकालीन और उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ सदस्यों सीए गोपीलाल पेमावत एवं सीए भूपेन्द्र जैन का उपरना, स्मृति चिन्ह और

सम्मान सामग्री भेंट कर अभिनंदन किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उनके अनुभवों और संस्था के प्रति योगदान को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआईआरसी) के सचिव सीए निर्भीक गांधी का भी शाखा की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अपने संबोधन में शाखा अध्यक्ष सीए दिनेश सुथार ने कहा कि आईसीएआई देश की आर्थिक व्यवस्था और वित्तीय अनुशासन का एक मजबूत स्तंभ है। संस्था ने पिछले 78 वर्षों में अपनी विश्वसनीयता, पारदर्शिता और उत्कृष्ट कार्यशैली के माध्यम से देश और दुनिया में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा शाखा सदैव अपने सदस्यों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन में कमेटी सदस्यों सहित सीए आलोक पलोड़, सीए नवीन काकानी, सीए सुरेश कोगटा, शाखा के सभी पूर्व अध्यक्षों, विद्यार्थियों एवं समस्त सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए भीलवाड़ा शाखा द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया। सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। समारोह में 200 से अधिक सीए सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इसे सेवा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। आईसीएआई के 78वें स्थापना दिवस का यह आयोजन न केवल संस्था के गौरवशाली इतिहास का उत्सव बना, बल्कि समाज सेवा और जन जागरण का भी एक प्रेरणादायक संदेश देकर गया।

खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया सम्मानित

शाखा सचिव सीए पुलकित राठी ने बताया कि सीए डे के उपलक्ष्य में पिछले एक माह से सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा था। इनमें क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस, पिकलबॉल और फुटबॉल जैसी प्रतियोगिताएं शामिल रही। स्थापना दिवस समारोह के दौरान इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उपविजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन चीफ कोऑर्डिनेटर सीए नरेश जागेटिया ने किया।

रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह, 91 यूनिट रक्त संग्रहित

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धियों में से एक रक्तदान शिविर रहा, जिसका आयोजन रामस्नेही चिकित्सालय के सहयोग से किया गया। शिविर में सीए सदस्यों, विद्यार्थियों और आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और कुल 91 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में मिला स्वास्थ्य लाभ

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्रतिभागियों की आंखों की जांच की गई और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर का लाभ बड़ी संख्या में लोगों ने उठाया। इसके अतिरिक्त, डॉ. पवन ओला ने उपस्थित लोगों को हृदय स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने हृदय रोगों से बचाव, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

वरिष्ठ पत्रकार को मारपीट के विरोध में पत्रकार संगठन लामबंद

स्मार्ट हलचल|कोटा

जिले के रामगंजमंडी के वरिष्ठ पत्रकार राजू राठौर को अवैध हिरासत में रखने, उनके साथ मारपीट करने और झूठा मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की खिलाफ पत्रकारों में गुस्सा है। इस मामले में जर्नलिस्टस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान कोटा शहर के अध्यक्ष संजय चौबीसा तथा प्रेस क्लब कोटा के महासचिव जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कोटा रेंज आईजी के नाम उनके कार्यालय के पुलिस अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। पत्रकारों ने ज्ञापन में बताया कि पत्रकार राजू राठौर द्वारा नगर पालिका के भ्रष्टाचार और सरकारी भूमि से जुड़े मामलों को उजागर करने के कारण स्थानीय प्रशासन और पुलिस रंजिश रख रहा था। 9 जून 2026 को बिना किसी नोटिस, वैधानिक प्रक्रिया के 8-10 पुलिसकर्मी राजू राठौर के घर आए और जबरन खैराबाद चौकी ले गए, जहाँ उनके साथ मारपीट की गई। पूरे दिन अवैध हिरासत में रखने के बाद उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया, जो कि सुप्रीम कोर्ट की 'डी.के. बासु गाइडलाइंस' का गंभीर उल्लंघन है।

ज्ञापन में मामले की जांच स्थानीय पुलिस के बजाय सीआईडी से करवाने, दोषी पुलिसकर्मियों व अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

डॉक्टर्स डे एवं सीए डे पर लायंस एवं लियो क्लब 'रॉयल' विजयनगर ने किया सम्मान समारोह

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। लायंस एवं लियो क्लब 'रॉयल' बिजयनगर द्वारा मंगलवार को डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) डे के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं वित्तीय क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले शहर के चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान कर उनके योगदान को सराहा गया।

कार्यक्रम में लायंस क्लब अध्यक्ष लायन कैलाश डूंगरवाल, सचिव भागचंद भटेवड़ा, कोषाध्यक्ष अविनाश गदिया, लियो क्लब सचिव दीपक जोगड़, कोषाध्यक्ष विमर्श जैन ,लियो डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरार चरित्र नाबेडा सहित लायंस एवम् लियो क्लब रॉयल के सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह में डॉ. ध्रुव भारद्वाज, डॉ. रुचिता मिश्रा, डॉ. नितिन दरगड़, डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. कल्पना अग्रवाल, डॉ. कमल मणि जोशी, डॉ. भूपेन्द्र चौधरी, डॉ. विक्रम सिंह जादौन, डॉ. राज नवाल , डॉ. खुशबू नवाल डॉ नंदिनी बिरला , डॉ जी.एल गुप्ता एवं डॉ राजेंद्र चंडक का सम्मान किया गया।

इसी प्रकार सीए प्रशांत बड़जात्या, सीए मोहित कावड़िया, सीए विकास गोखरू, सीए सौरभ चौधरी, सीए श्रीराम शर्मा, सीए अंकित कोठारी, सीए प्रियंका जैन , सीए श्वेता बोहरा, सीए अमन बाफना, सीए शुभम धूनीवाल, सीए जितेंद्र पीपाड़ा, सीए राजेश बाल्दी, सीए अभिनंदन भंडारी, को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि चिकित्सक मानव जीवन की रक्षा कर समाज को स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आर्थिक पारदर्शिता एवं राष्ट्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान देते हैं। क्लब द्वारा दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञों का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पीसीसी जयपुर में डॉक्टर्स डे पर विशेष समारोह: ब्यावर चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र काठात ने की शिरकत

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा 'राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे' के उपलक्ष्य में प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय, जयपुर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में ब्यावर चिकित्सा प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र काठात ने विशेष रूप से भाग लिया और ब्यावर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

मंच पर उपस्थित रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव ललित तूनवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विकास मेहला ने की। विशिष्ट अतिथियों में संगठन महासचिव कृष्ण कुमार शर्मा, पीसीसी सचिव अयूब खान, ताराचंद सैनी, प्रदेश सचिव व ब्यावर प्रभारी डॉ. गणेश गुर्जर तथा डीसीसी के पूर्व अध्यक्ष आर. आर. तिवारी मंच पर मौजूद रहे।

'डॉक्टर्स समाज में भगवान का दूसरा रूप '

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने समाज में डॉक्टरों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर्स की भूमिका समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसीलिए उन्हें धरती पर भगवान के बाद दूसरा स्थान दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विकास मेहला ने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा प्रकोष्ठ पूरे राजस्थान में सक्रिय रूप से कांग्रेस पार्टी को मजबूती देने के लिए कार्य कर रहा है और लगातार जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहा है। संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने कार्यक्रम में आए सभी चिकित्सकों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगामी समय में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में भरपूर जनसमर्थन जुटाने और संगठन को और अधिक गतिशील बनाने का आह्वान किया। इस राज्य स्तरीय समारोह में ब्यावर जिले से चिकित्सा प्रकोष्ठ और कांग्रेस के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से: डॉ. नरेंद्र काठात (जिला अध्यक्ष, चिकित्सा प्रकोष्ठ, ब्यावर),फैसल खान (जिला सचिव, चिकित्सा प्रकोष्ठ), ऋषि लांबा (प्रदेश को-ऑर्डिनेटर,कपिल सोनी,मुकद्दर काठात ,सलमान काठात सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और चिकित्सकों ने उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सहकारिता सप्ताह: जिला स्तरीय समारोह में इंदिरा विनय झंवर सम्मानित

स्मार्ट हलचल|मांडलगढ़/भीलवाड़ा

भीलवाड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कृषक सम्मान समारोह में मांडलगढ़ ग्राम सेवा सहकारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा विनय झंवर को सहकारिता क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

जिला स्तरीय समारोह में सहकारिता विभाग के अधिकारियों एवं बैंक प्रशासन ने सम्मान स्वरूप प्रशस्ति प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। समारोह में मुख्य प्रबंधक, रजिस्ट्रार, भाजपा जिलाध्यक्ष, बैंक एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी, विभिन्न ग्राम सेवा सहकारी समितियों के अध्यक्ष, व्यवस्थापक तथा बड़ी संख्या में किसान एवं सहकारिता प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समारोह में सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने, किसानों को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ पहुंचाने तथा समितियों की भूमिका को प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। श्रीमती इंदिरा विनय झंवर के सम्मानित होने पर क्षेत्र के सहकारिता प्रतिनिधियों एवं किसानों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

होलिरड़ा में श्री राम महायज्ञ की पूर्णाहुति: सरयू में होगा मूर्तियों का विसर्जन, त्रिवेणी संगम में प्रवाहित की महायज्ञ की भभूति

9 दिवसीय भव्य आयोजन के बाद बुधवार को अयोध्या के लिए रवाना हुए 30 जोड़े; गाजे-बाजे के साथ ट्रैक्टरों में त्रिवेणी संगम पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण, पवित्र त्रिवेणी में किया शाही स्नान

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के निकटवर्ती होलिरड़ा गांव में सनातन संस्कृति और जन-आस्था के प्रतीक नौ दिवसीय सप्त कुण्डीय श्री राम महायज्ञ की भव्य पूर्णाहुति के बाद बुधवार को मूर्तियों एवं पवित्र यज्ञ भभूति के विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ। महायज्ञ की पवित्रता को अक्षुण्ण रखने और मूर्तियों के विसर्जन के लिए गांव से दो अलग-अलग जत्थे रवाना हुए। एक तरफ जहाँ भव्य प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए श्रद्धालुओं का दल उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ, वहीं दूसरी ओर सैकड़ों ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ त्रिवेणी संगम पहुंचकर पवित्र भभूति को जलधारा में प्रवाहित किया।

प्राण-प्रतिष्ठा व स्वर्ण कलश स्थापना के बाद महा-प्रस्थान:

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, होलिरड़ा गांव में गत 9 जून से 17 जून तक मूर्ति व कलश स्थापना को लेकर भव्य 9 दिवसीय सप्त कुंडिया श्री राम महायज्ञ का आयोजन किया गया था। इस महायज्ञ के दौरान गांव के नवनिर्मित चारभुजा नाथ मंदिर में प्रभु श्री राम-जानकी और

लोकदेवता तेजाजी महाराज के मंदिर में वीर तेजाजी व नागदेवता की नूतन प्रतिमाओं की पूर्ण विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। इसके साथ ही तेजाजी महाराज व संकटमोचन हनुमान जी महाराज के मंदिर के शिखरों पर भव्य स्वर्ण कलश स्थापित किए गए थे। इन्हीं प्रतिष्ठापित प्रतिमाओं के विसर्जन की वेदी के रूप में बुधवार को गांव के 30 भाग्यशाली जोड़े विशेष बसों द्वारा पावन नगरी अयोध्या के लिए रवाना हुए। यह दल अयोध्या पहुंचकर पतित पावनी सरयू नदी के तट पर राम-जानकी व तेजाजी महाराज की प्रतिमाओं का शास्त्रोक्त विधि से विसर्जन करेगा।

यज्ञ नारायण भगवान के जयकारों के बीच बुधवार सुबह गांव में एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। महायज्ञ के नौ पावन हवन कुंडों की पवित्र भभूति (राख) को सहेजकर विसर्जन के लिए ले जाया गया। गांव की सैकड़ों महिलाएं और पुरुष मंगल गीत गाते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली और निजी वाहनों के काफिले के साथ गाजे-बाजे के संग त्रिवेणी संगम पहुंचे। त्रिवेणी धाम पर वैदिक मंत्रोचार के बीच ग्रामीणों ने महायज्ञ की पवित्र भभूति को त्रिवेणी संगम के पवित्र जल में विसर्जित किया। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम के पावन जल में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ कमाया और क्षेत्र की खुशहाली व अच्छी वर्षा की कामना की।

कार्यभार ग्रहण करने पर का स्वागत

स्मार्ट हलचल|पावटा

पुलिस उप अधीक्षक लक्ष्मी सुथार के कोटपूतली में कार्यभार ग्रहण करने पर बुधवार को जांगिड़ समाज पावटा तहसील अध्यक्ष चौथमल जांगिड़ के नेतृत्व में जांगिड समाज बन्धुओं द्वारा डीएसपी लक्ष्मी सुधार का माला एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया । इस अवसर पर सरुंड पूर्व सरपंच ओमप्रकाश जांगिड़, पावटा तहसील महामंत्री पिंटू जांगिड़, उपाध्यक्ष भागीरथ मल जांगिड़, कोषाध्यक्ष महादेव जांगिड़, रामअवतार ठीकरिया, मीनल जांगिड़, शिवानी जांगिड सहित समाज बन्धू उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स डे पर राउंड टेबल इंडिया चैप्टर 306 ने चिकित्सकों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल| कोटा

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर राउंड टेबल इंडिया चैप्टर 306 की ओर से चिकित्सकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चैप्टर अध्यक्ष मुकुल जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत योग सत्र से हुई, जिसमें चिकित्सकों एवं राउंड टेबल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि जो चिकित्सक दिन-रात दूसरों के स्वास्थ्य की रक्षा में जुटे रहते हैं, उनके स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है।

योग सत्र के उपरांत चैप्टर का प्रतिनिधिमंडल शहर के विभिन्न अस्पताल पहुंचा, जहां चिकित्सकों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. नेहा, डॉ. नवीन, डॉ. नितिन लश्करी एवं डॉ. ऋतेश जैन सहित 11 डाक्टरों का अभिनंदन करते हुए चिकित्सा सेवा, मानवीय संवेदनाओं और समाज के प्रति उनके समर्पण की सराहना की गई।

राउंड टेबल इंडिया चैप्टर 306 के अध्यक्ष मुकुल जैन ने कहा कि डॉक्टर्स डे केवल शुभकामनाएं देने का अवसर नहीं, बल्कि मानव सेवा के लिए समर्पित चिकित्सकों के प्रति समाज की कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का दिवस है। कार्यक्रम के संयोजक सिद्धार्थ अजमेरा एवं स्वप्निल गोयल रहे। इस अवसर पर चैप्टर के सचिव आकाश काबरा सहित राउंड टेबल इंडिया चैप्टर 306 के सदस्य उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की तैयारियां तेज

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

दो दिवसीय राष्ट्रीय महासम्मेलन की तैयारियां शुरू, देवराज तेली व एडवोकेट कुशल साहू को सह-संयोजक की जिम्मेदारी वरिष्ठ पत्रकार प्रहलाद दिया (बड़ी हरणी) को बनाया गया कार्यक्रम संयोजक भीलवाड़ा !वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में प्रस्तावित अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं सामाजिक जागृति महासम्मेलन की तैयारियों को गति देते हुए राजस्थान प्रांतीय तैलिक साहू महासभा ने आयोजन समिति का गठन कर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

महासभा के प्रदेशाध्यक्ष देवीलाल साहू द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं। महासभा द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में महासभा के प्रदेश मिडिया प्रभारी प्रहलाद दिया बड़ी हरणी को आयोजन समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं महासभा के राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष देवराज तेली तथा विधि प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी एडवोकेट कुशल साहू को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन नियुक्तियों के साथ ही आयोजन की रूपरेखा तैयार करने और विभिन्न व्यवस्थाओं के समन्वय का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि समिति के पदाधिकारी संगठन के वरिष्ठजनों, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं स्थानीय पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम स्थल चयन, विभिन्न उपसमितियों के गठन, प्रशासनिक अनुमतियों, अतिथि स्वागत एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देंगे। साथ ही कार्यक्रम से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन में लिए जाएंगे। महासभा के अनुसार भीलवाड़ा में आयोजित होने वाला यह दो दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक जागरूकता के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक साबित होगा। कार्यक्रम में राजनैतिक क्षैत्र के जुड़े कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के साथ देशभर से महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, समाज के जनप्रतिनिधि एवं समाज के करीब 20 हजार प्रबुद्धजन भाग लेंगे। महासभा प्रदेशाध्यक्ष देवीलाल साहू ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी सक्रियता, अनुभव और समन्वय क्षमता से कार्यक्रम भव्य, व्यवस्थित एवं सफल होगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान करते हुए आयोजन को समाज की शक्ति और एकजुटता का प्रतीक बनाने की अपील की। इस नियुक्ति के साथ ही भीलवाड़ा में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के महासम्मेलन को लेकर समाजजन में उत्साह का माहौल है।तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं।

पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, अयोध्या राम मंदिर प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व में अयोध्या श्रीराम मंदिर में कथित दान चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं के मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर राष्ट्रपति महोदया के नाम जिला कलेक्टर चित्तौड़गढ़ के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र अयोध्या श्रीराम मंदिर में कथित दान चोरी, मंदिर निर्माण में भूमि खरीद एवं अन्य वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने पूरे देश के श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत किया है। मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे आमजन का विश्वास कायम रह सके।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधायकों एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को अयोध्या श्रीराम मंदिर जाने से रोकते हुए हाउस अरेस्ट किए जाने की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष के नेताओं को मंदिर जाने से रोकना एवं उन्हें नजरबंद करना लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला हनन है। यदि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो विपक्षी नेताओं को अयोध्या जाकर वस्तुस्थिति जानने से नहीं रोका जाना चाहिए।

ज्ञापन में मांग की गई कि पूरे प्रकरण की जांच किसी पूर्व मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति से कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कांग्रेस प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि ज्ञापन कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सोनी, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम जाट, पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी, प्रदेश सचिव रणजीत लोट, उप सभापति कैलाश पंवार, जिला उपाध्यक्ष नगेंद्र सिंह राठौड़, जिला उपाध्यक्ष गोविंद शर्मा, पंचायत राज प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष आजाद पालीवाल, जिला प्रवक्ता राजेश सोनी, शहर महामंत्री शंभुलाल प्रजापत, महिला नगर अध्यक्ष रेणु कंवर, महिला ग्रामीण अध्यक्ष गायत्री जाट, शहर महामंत्री मीनाक्षी जैन, एससी विभाग जिला अध्यक्ष राकेश घारू, एससी विभाग कार्यकारी जिला अध्यक्ष रामेश्वर बैरवा, पार्षद रामगोपाल लोहार, शैलेंद्र सिंह शक्तावत, गौस मोहम्मद, सुरेन्द्रनाथ योगी, सत्यनारायण मूंदड़ा, पूर्व पार्षद रमेश लड्ढा, गजानंद शर्मा, नरेंद्र विजयवर्गीय, मोंटी चड्ढा, मनीष चांवला, किरण गौड़, आशा जाट, दीपमाला कुमावत, नीता लोट, कौशल बैरवा, नारायण धाकड़, बसंतीलाल वेद, कमलेश ईनाणी, मोहमद सिद्दीक, दौलतराम पिंगोलिया, कमल कुमार, राजेश कंडारा, रमेश गाड़ी लोहार, अमजद शेख, कमल जयसिंघानी, रमेश सेन, मनीष मीणा, राजकुमार गुर्जर, गौरव मेडतवाल, सुरेश काबरा, प्रभु रैगर, नारायण नाथ, रतनलाल धाकड़, नारायण भोई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लायंस क्लब भवानीमंडी रॉयल ने डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। लायंस क्लब भवानीमंडी रॉयल द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर राजकीय कमरुद्दीन चिकित्सालय, भवानीमंडी में कार्यरत सभी चिकित्सकों का सम्मान कर उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर क्लब पदाधिकारियों ने चिकित्सकों को सम्मान-पत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक मानवता के सच्चे सेवक हैं, जो अपने ज्ञान, समर्पण एवं सेवा भावना से अनगिनत लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं। समाज के प्रति उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम में ज़ोन चेयरमैन लायन कालू लाल सालेचा, क्लब अध्यक्ष लायन नरेन्द्र कुमार जैन, लायन पीयूष जैन, लायन चैन सिंह सिसोदिया, लायन दामोदर दयाल शुक्ला सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता कर सभी चिकित्सकों को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएँ दीं तथा उनके सेवा कार्यों की सराहना की।

ग्रीन पीपल सोसायटी की मासिक बैठक संपन्न, वर्षा ऋतु में व्यापक पौधारोपण व पर्यावरण संरक्षण अभियान की रूपरेखा तैयार

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

ग्रीन पीपल सोसायटी की मासिक बैठक आयोजित कर आगामी वर्षा ऋतु में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में विद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से बड़े स्तर पर हरित अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न पंचायतों के विद्यालयों में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। आगामी वर्षा ऋतु में विद्यालयों में लगाए जाने वाले पौधों की आवश्यकता के अनुसार सूची तैयार कर पौधों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही ग्रीन पीपल सोसायटी द्वारा तैयार पौधारोपण तकनीक संबंधी वीडियो विद्यालयों में प्रसारित किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थी एवं शिक्षक वैज्ञानिक तरीके से पौधारोपण कर सकें।

बैठक में 'हरियालो राज-स्थान' अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को आवंटित लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण के लिए अग्रिम मृदा कार्य समय पर पूर्ण कराने तथा पंचायत समिति बड़गांव क्षेत्र के विद्यालयों का चयन करने का निर्णय लिया गया।

राहुल भटनागर ने बताया कि पिपलांत्री ग्राम में कार्बन क्रेडिट का सफल प्रोजेक्ट ग्रीन पीपल सोसायटी द्वारा पूर्ण किया जा चुका है। इसी अनुभव के आधार पर भविष्य में भी कार्बन क्रेडिट एवं जलवायु संरक्षण से जुड़े नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बर्ड फेस्टिवल का आयोजन उदयपुर एवं जयपुर के साथ-साथ पहली बार माउंट आबू में भी किया जाएगा। इसके लिए अलग कार्यकारिणी गठित कर तैयारियां प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया।

सोसायटी के वार्षिक कार्य कैलेंडर को अंतिम रूप देते हुए वर्षभर मनाए जाने वाले महत्वपूर्ण पर्यावरणीय दिवसों एवं अभियानों पर चर्चा की गई। इनमें जन चेतना अभियान, पर्यावरण सुधार कार्यक्रम, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे, बर्ड फेयर, पैडल टू जंगल सहित विभिन्न गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में ग्रीन पीपल सोसायटी एवं टेरा ब्लू क्लाइमेट टेक्नोलॉजी के मध्य कार्बन क्रेडिट आधारित एमओयू की प्रगति की समीक्षा की गई तथा बायोचार के माध्यम से ग्रामीणों के लिए आय सृजन की संभावनाओं पर भविष्य में कार्य करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में एस. एन. दवे, डॉ. सतीश शर्मा, सुहेल मजबूर, डॉ. ललित जोशी, प्रताप सिंह चुंडावत, यासीन मोहम्मद पठान, इस्माइल अली दुर्गा, गौरव द्विवेदी, शैली सिंह एवं जगमाल खंगारोत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर प्राचार्य डॉ. आशुतोष व्यास का हुआ सम्मान

एनएसयूआई परिवार ने स्मृति चिन्ह भेंट कर दी भावभीनी विदाई

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

डॉ. बी.आर. अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निंबाहेड़ा के प्राचार्य डॉ. आशुतोष व्यास के सेवानिवृत्ति अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में महाविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा उनका भावपूर्ण सम्मान किया गया। इसी क्रम में निंबाहेड़ा एनएसयूआई परिवार ने भी डॉ. व्यास का अभिनंदन करते हुए उन्हें स्मृति स्वरूप आकर्षक उपहार भेंट किया।

समारोह के दौरान एनएसयूआई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. व्यास को पुष्पमालाएं पहनाकर, उपराणा ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके दीर्घकालीन शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं समाजोपयोगी योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. व्यास ने अपने कार्यकाल में महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य किया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामनाएं करते हुए कहा कि शिक्षा जगत में उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। समारोह का वातावरण आत्मीय एवं भावुक रहा, जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपने प्रिय प्राचार्य को सम्मानपूर्वक विदाई दी।

अपने उद्बोधन में डॉ. आशुतोष व्यास ने सभी के स्नेह, सम्मान एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय परिवार के साथ बिताए गए वर्षों की स्मृतियां उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेंगी। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के इस अवसर पर मिली आत्मीय विदाई उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगी। इस अवसर पर एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष भंवर सिंह शक्तावत, नगर अध्यक्ष राहुल सेन, महासचिव नवरत्न प्रजापत एवं हर्षित सेन, तनिष माली, सुमित जाट, दुर्गेश कुमावत, कृष्णा, करण सिंह, साहिल मंसूरी, रोशन कुमावत सहित अनेक कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

201 गेहूं के कट्टों को अपना घर आश्रम मानव सेवा ही ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा है

स्मार्ट हलचल

बयाना / भरतपुर में बयाना में अपना घर सेवा समिति बयाना द्वारा शिवगंज मंडी बयाना से 201 गेहूं के कट्टों को अपना घर आश्रम भरतपुर में आवासरत प्रभु जियों की सेवा हेतु अपना घर आश्रम भरतपुर के लिए रवाना किया गया .

स्थानीय समाज सेवी एवं व्यवसायी शंकर लाल जी अग्रवाल जी,एवं बयाना समिति के संरक्षक श्री बनवारी लाल हरजाई ने सेवारथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि जो व्यक्ति दूसरों के लिए जीता है वही सच्चे अर्थों में जीवन का उद्देश्य प्राप्त करता है.

पीड़ित सेवा ईश्वर सेवा के उद्देश्य को लेकर जन सहयोग से एकत्रित अन्न प्रकल्प में शिवगंज मंडी बयाना की सभी फर्मो ,रीको स्टोन फर्मो,स्थानीय व्यापारी, समाजसेवियों,भामाशाहों,

स्थानीय स्वयंसेवकों एवं

सेवा साथी महिला पुरुषों ने इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग प्रदान करते हुए कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा है . संरक्षक अनिल जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा अगर आपके माध्यम से किसी की सेवा होती है तो आप अपने आप को सौभाग्यशाली समझिए .इस अवसर पुरुष इकाई के विशिष्ठ संरक्षक बनवारी लाल हरजाई , अध्यक्ष योगेश सर्राफ, वित्त सचिव सतीश अवस्थी , मनोज अग्रवाल एवं स्थानीय व्यवसायी सतीश ,रिंकू कपूरान,अशोक ,मोहित एवं गौरव नावली,कैलाश सुनील बंसल अमित बंसल जी एवं महिला इकाई सदस्य बबीता जैन एवं इत्यादि स्थानीय नागरिक उपस्थित थे7

विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं प्रशासनिक सेवा मार्गदर्शन सेमिनार के आमंत्रण पत्र का विमोचन

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

राष्ट्रीय तीर्थ प्रताप गौरव केंद्र में 12 जुलाई को आयोजित होने वाले विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं प्रशासनिक सेवा परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार के आमंत्रण पत्र का गरिमामय विमोचन किया गया। विमोचन विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य एवं प्रदेश अध्यक्ष, शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ डॉ. एच. आर. दवे तथा आयोजन समिति के समन्वयकगणों द्वारा संपन्न किया गया।

इस अवसर पर डॉ. दवे ने उक्त आयोजन को विप्र समाज की शैक्षणिक उत्कृष्टता, बौद्धिक जागृति एवं प्रशासनिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने वाला एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी उपक्रम बताते हुए समाज के प्रबुद्धजनों, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं युवाओं से अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श करते हुए इसे समाज की भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक एवं व्यक्तित्व-विकास का सशक्त मंच बताया गया।

बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने समस्त विप्र समाजजन से आग्रह किया कि प्रतिभा सम्मान हेतु जारी ऑनलाइन पंजीयन प्रपत्र (गूगल फॉर्म) को आवश्यक दस्तावेजों सहित यथाशीघ्र पूर्ण कर प्रेषित करें, जिससे 12 जुलाई को आयोजित होने वाले समारोह हेतु सम्मानित की जाने वाली प्रतिभाओं का सुव्यवस्थित चयन, सूचीकरण एवं समस्त व्यवस्थाओं का समयबद्ध नियोजन सुनिश्चित किया जा सके। पात्र प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने तथा आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाने के उद्देश्य से पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। सभी पात्र प्रतिभागियों एवं अभिभावकों से निर्धारित तिथि से पूर्व पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करने का आग्रह किया गया।

अंत में शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव गणेश नागदा ने कार्यक्रम की सफलता हेतु समाज के समस्त पदाधिकारियों, प्रबुद्धजनों, दानदाताओं एवं विप्र बंधुओं से तन, मन एवं धन से सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज की प्रतिभाओं के सम्मान, युवा पीढ़ी के मार्गदर्शन तथा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने वाला यह आयोजन विप्र समाज के लिए एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी मील का पत्थर सिद्ध होगा। विमोचन समारोह में डॉ. भगवती शंकर व्यास, मधुसूदन पालीवाल, महेंद्र आमेटा, लोकेश पालीवाल, राजेश पालीवाल, दिनेश शुक्ला, दीप्ति मेनारिया, भूपेंद्र श्रीमाली, हेमंत आमेटा, नीरज नागदा, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. मनीष तिवारी सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं विप्र बंधु उपस्थित रहे।

21वीं नेशनल आइस स्केटिंग चैंपियनशिप

उदयपुर की 10 वर्षीय मायरा त्यागी ने देहरादून में जीते रजत और कांस्य पदक

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

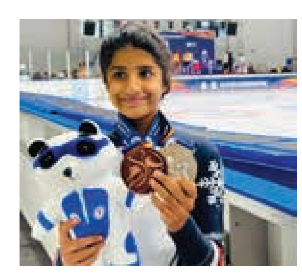

देहरादून के विश्वस्तरीय हिमाद्रि आइस रिंक में आयोजित 21वीं नेशनल आइस स्केटिंग चैंपियनशिप में उदयपुर की 10 वर्षीय प्रतिभाशाली स्केटर मायरा त्यागी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत (सिल्वर) और एक कांस्य (ब्रोंज) पदक जीतकर राजस्थान और उदयपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

रायन इंटरनेशनल स्कूल, उदयपुर की छात्रा मायरा ने देशभर से पहुंचे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच अपनी तेज़ रफ्तार, उत्कृष्ट संतुलन, तकनीकी कौशल और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बावजूद उन्होंने दो पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

महज 10 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में यह दोहरी सफलता हासिल कर मायरा ने यह साबित कर दिया कि लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनकी उपलब्धि न केवल उनके परिवार और विद्यालय के लिए, बल्कि पूरे उदयपुर और राजस्थान के लिए गर्व का विषय बन गई है।

मायरा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खेल प्रेमियों, शिक्षकों, अभिभावकों और शहरवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। उनकी सफलता प्रदेश के अन्य बच्चों को भी आइस स्केटिंग सहित विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।

21वें एकविंशति कल्याण महाकुंभ की भव्य शोभायात्रा का कांग्रेसजनों ने किया स्वागत

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से दशोरा चौक पर पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन, श्री कल्लाजी महाराज के जयघोषों से गुंजायमान हुआ नगर, जगद्गुरु शंकराचार्य का सम्मान

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा। सनातन धर्म, लोकआस्था और आध्यात्मिक चेतना के महापर्व 21वें एकविंशति कल्याण महाकुंभ महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बुधवार को निंबाहेड़ा नगर धर्ममय वातावरण से सराबोर दिखाई दिया। श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान तथा श्री कल्लाजी मंदिर मण्डल न्यास के तत्वावधान में आयोजित इस विराट धार्मिक आयोजन के अंतर्गत निकाली गई भव्य शोभायात्रा ने नगरवासियों को भक्ति, श्रद्धा और संस्कृति के अनुपम रंगों से अभिभूत कर दिया। दशहरा मैदान से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु, संत-महात्मा, धर्मध्वजाएं, सुसज्जित रथ, भजन-कीर्तन मंडलियां एवं कलश धारण किए महिला श्रद्धालु शामिल हुए। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती इस शोभायात्रा का विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। पूरा नगर 'जय श्री कल्लाजी महाराज ', 'हर-हर महादेव' एवं धर्ममय उद्घोषों से गुंजायमान हो उठा।

डाक बंगला रोड स्थित दशोरा चौक पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेसजनों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं एवं संत-महात्माओं के सम्मान में की गई पुष्पवर्षा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान धर्म, संस्कृति और जनकल्याण के प्रति समर्पण का भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चंद्र शारदा एवं नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल रायवाल ने शोभायात्रा में विराजित लोकदेवता शेषावतार वीर श्री कल्लाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली एवं सर्वजन कल्याण की प्रार्थना की।

जगद्गुरु शंकराचार्य का हुआ आत्मीय स्वागत

शोभायात्रा में पधारे जगद्गुरु शंकराचार्य परम पूज्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज का कांग्रेसजनों द्वारा माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। श्रद्धालुओं ने उनके दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण का संकल्प दोहराया।

धर्म, संस्कृति और जनकल्याण का अनुपम संगम

शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियां, धर्मध्वजाएं, पारंपरिक वाद्ययंत्र, भजन मंडलियां एवं श्रद्धालुओं का उत्साह आयोजन की भव्यता को चार चांद लगा रहा था। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा आरती, पुष्पवर्षा एवं स्वागत-सत्कार किया गया। महाकुंभ के शुभारंभ के साथ ही संपूर्ण नगर में आध्यात्मिक ऊर्जा, धार्मिक जागृति एवं सांस्कृतिक गौरव का अद्भुत वातावरण निर्मित हो गया। 21वें एकविंशति कल्याण महाकुंभ महोत्सव को क्षेत्र की धार्मिक विरासत, सामाजिक समरसता एवं लोककल्याण की भावना का सशक्त प्रतीक बताते हुए उपस्थित जनसमुदाय ने आयोजन की सफलता एवं विश्व कल्याण की मंगलकामना की।

इस अवसर पर नगर कांग्रेस संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, कांग्रेस अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव मनोहर सिंह मीणा, रामगोपाल वैष्णव, जिला फुटबॉल संघ सचिव फैसल खान, युवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बलवंत जाट, राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष रोमी पोरवाल, सेवादल नगर मुख्य संगठक दिनेश गुप्ता, स्थानीय निकाय विभाग नगर अध्यक्ष राजेश सांड, अरनिया जोशी कांग्रेस मंडल अध्यक्ष आजाद बापू, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष दीपक धाकड़, ब्लॉक अध्यक्ष भंवर सिंह शक्तावत, नगर कांग्रेस महासचिव ओमप्रकाश शर्मा, मोती पुरुस्वानी, दिग्वेंद्र प्रताप सिंह जादौन, सचिव ब्रह्मलाल उपाध्याय, धीरज नगरिया, प्रवक्ता रवि जाजपुरा, डला उर्फ किशनपुरा प्रशासक बाबूलाल धाकड़, स्थानीय निकाय विभाग के जिला सचिव शांतिलाल लाड़ना, पूर्व पार्षद माणक साहू, पूर्व पंचायत समिति सदस्य नाथूलाल जाटिया, संजय उपाध्याय, विशाल वर्मा, एन एस यू आई जिला महासचिव नवरत्न प्रजापत, सचिव आदित्य पहाड़िया, एवं देवीलाल आंजना, बाबू खान मेव,ललित सिंह सिंह राठौड़, देवीलाल धाकड़, सुरेश मीणा, सोहनलाल धाकड़, राकेश आंजना, यश मंगनानी, करन सिंह, कृष्णा मीणा, दीपक तेली, विक्की चौपड़ा, देवेंद्र चारण, प्रवीण तेली, किशन वैष्णव, विष्णुलाल मीणा, श्रवण आंजना, भेरूलाल रेबारी, हरिकिशन माली, अनिल मीणा, शंभूलाल बलाई, कैलाश बलाई, आशुतोष टांक, हितेश भराड़िया, मांगीलाल बामणिया तथा कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, धर्मप्रेमी नागरिक एवं श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स डे पर रोटरी क्लब पद्मिनी ने 130 से अधिक चिकित्सकों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल|कोटा

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब पद्मिनी द्वारा शहर के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में सेवाएं दे रहे चिकित्सकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्लब अध्यक्ष दीप्ति राजावत ने बताया कि दादाबाड़ी डिस्पेंसरी एवं तलवंडी क्षेत्र के विभिन्न अस्पतालों में जाकर 130 से अधिक चिकित्सकों का उपरणा ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मान किया गया।

क्लब सचिव डॉ. प्रीति शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में दादाबाड़ी डिस्पेंसरी में चिकित्सकों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग एवं सहयोगी स्टाफ का भी माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इसके पश्चात तलवंडी क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में सदस्य पीयूषा न्याती के सहयोग से बड़ी संख्या में वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान उनके कार्य स्थल पर किया गया।

अध्यक्ष दीप्ति राजावत ने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे समर्पित चिकित्सकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना समाज का नैतिक दायित्व है।

कार्यक्रम में क्लब सचिव डॉ. प्रीति शर्मा, उपाध्यक्ष मंजू यादव, शशि अग्रवाल, गुरप्रीत आनंद, उषा गुप्ता, रंजना सेठी, दीप्ति गुप्ता, डॉ. रश्मि दाधीच, अनीता चौधरी, पीयूषा न्याती, सुषमा बंसल एवं शीला गौर सहित क्लब की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

महिला सुरक्षा को लेकर संपर्क सभा का आयोजन कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

स्मार्ट हलचल|बूंदी

राजस्थान पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा हेतु चलाए जा रहे अभियानों के तहत अवनीश कुमार शर्मा जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी की अध्यक्षता में ऑडिटोरियम भवन बून्दी में एक विशेष 'संपर्क सभा' का आयोजन किया गया। इस सभा का मुख्य उद्देश्य फील्ड में तैनात पुलिस कर्मियों को महिला सुरक्षा संबंधी योजनाओं, हेल्पलाइनों और कानूनी प्रावधानों की संपूर्ण जानकारी देना तथा जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा करना रहा।

इन मुद्दों पर केंद्रित रहा संवाद संपर्क सभा में महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

गए: महिला बीट अधिकारी योजना व कालिका पेट्रोलिंगः महिला बीट प्रणाली को और प्रभावी बनाने तथा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा हेतु उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा की गई।

डिजिटल व कानूनी जागरूकताः महिला अपराधों में कड़े कानूनी प्रावधानों, पॉक्सो एक्ट, सी-बॉक्स , ई-बॉक्स और साइबर सेफ्टी, राजकोप सिटीजन ऐप, महिला एव बाल हेल्पलाइन नंबरों के संबंध में विस्तृत जानकारियां साझा की गई।

कार्यस्थल पर सुरक्षाः कार्य-स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर संवाद किया गया और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सभा में उपस्थित पुलिस व महिला कार्मिकों से सीधा संवाद कर उनकी विभागीय व व्यक्तिगत समस्याओं को सुना। अधिकारियों ने मौके पर ही सभी जायज समस्याओं के त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाया।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों से ऑनलाइन वीसी इसी अभियान के अगले चरण में एक विशेष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया। इस वीसी में आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकीं छात्राओं, महिलाओं, गृहणियों, पीटीआई, सुरक्षा सखियों और 'राजीविका' से जुड़ी महिलाओं ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। वीसी के दौरान प्रतिभागियों ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण से आए आत्मविश्वास और अपनी 'सक्सेस स्टोरीज' (सफलता की कहानियां) साझा कीं। इसके साथ ही कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी लिए गए।

इस ऑनलाइन वीसी सत्र का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जसवीर मीणा द्वारा किया गया, जिन्होंने आत्मरक्षा के महत्व और इसके व्यावहारिक उपयोग पर मार्गदर्शन दिया।

संपर्क सभा के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री संजय सिंह चम्पावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जसवीर मीणा, सहित थानाधिकारीगण एवं पुलिस बल व मंत्रालिक अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

जलदाय विभाग की लापरवाही बनी हादसे का सबब

मुख्य रास्ते पर पलटा पानी का टैंकर, बड़ा हादसा टला

स्मार्ट हलचल|पावटा

कस्बे में एक बार फिर जलदाय विभाग की लापरवाही के चलते बीच सड़क पर चलते - चलते पानी का टैंकर पलट गया । जानकारी के अनुसार जलदाय विभाग के कर्मचारियों द्वारा मंगलवार देर शाम कस्बे के मोदी मन्दिर के पास मुख्य रास्ते पर पाईप लाईन को दुरस्थ करने का कार्य किया गया । कार्य पूर्ण होने के बाद जलदाय विभाग के कर्मचारी गढ्ढे को ठीक प्रकार से बन्द करने के बजाय ऊपर - ऊपर मिट्टी डालकर चले गए । सवेरे ही इस रास्ते से निकल रहा निजी पानी टैंकर मिट्टी धसने की वहज से अचानक बीच सड़क पर ही पलट गया । जिससे टैंकर के आगे पीछे चल रहे दुपहिया वाहन सवार, राहगीर एवं वहाँ खड़े लोग बाल - बाल बच गए और एक बड़ा और भयावहक हादसा टल गया । टैंकर पलटने से मुख्य रास्ता पूर्ण रूप से अवरुद्ध हो गया । जिससे दिनभर यहाँ से निकलने वाले वाहनों एवं राहगीरों को भी काफी समस्या का सामना करना पड़ा । टैंकर के पानी को खाली कर तीन से चार घण्टे की बड़ी मशक्कत के बाद उसे खड़ा कर रास्ते को खुलवाया गया । ग्रामीणों ने कहा कि जलदाय विभाग द्वारा मुख्य रास्ते पर कई जगह पक्की सड़क को खोदकर पाईप लाईन को दुरस्त करने के नाम पर गढ्ढे खोद दिए जाते हैं और फिर कार्य पूर्ण होने के बाद उन्हें मिट्टी डालकर छोड़ दिया जाता है जिससे इस प्रकार के बडे हादसे होने की संभावना रहती है तथा बारिश के मौसम में मुख्य रास्तों में जल भराव होने लगता है। जिसके चलते भी राहगीरों को बड़ी समस्या होती है।

कांग्रेस विधि विभाग की बैठक आयोजित, संगठन विस्तार व सामाजिक सरोकारों पर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल |भीनमाल

शहर में बुधवार को कांग्रेस विधि विभाग की जिला स्तरीय बैठक जिला अध्यक्ष एडवोकेट श्रवण ढाका की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी गतिविधियों तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए एडवोकेट श्रवण ढाका ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप पुनिया के निर्देशानुसार जिला कार्यकारिणी का विस्तार करने एवं संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधि विभाग केवल कानूनी गतिविधियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाजहित से जुड़े जनजागरूकता अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान, आमजन को कानूनी अधिकारों की जानकारी देने, महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अत्याचारों के प्रति जागरूकता फैलाने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं जनजागरण अभियान आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए अधिवक्ताओं एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी तय करने पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक युवा अधिवक्ताओं को कांग्रेस विधि विभाग से जोड़ने तथा आमजन की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

सांगोद के जनप्रतिनिधियों ने जयपुर में किया ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का स्वागतः 36 ग्राम पंचायतों में खेतों के रास्ते बनने पर जताया आभार

क्षेत्र में 80% सड़कों का काम हुआ पूर्ण व प्रगतिरत

स्मार्ट हलचल

सांगोद। सांगोद विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देने और किसानों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में भारी उत्साह है। सांगोद ब्लॉक की 36 ग्राम पंचायतों में खेतों के रास्ते बनाने की बड़ी सौगात मिलने पर, सांगोद क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने जयपुर पहुंचकर राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। जनप्रतिनिधियों ने खेतों के रास्तों के लिए मंत्री नागर का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के किसानों के लिए सबसे बड़ी सौगात बताया।

कार्यक्रम के दौरान सांगोद के प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं ने ऊर्जा मंत्री के प्रयासों की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि मंत्री नागर के विजन और इच्छाशक्ति के कारण ही आज सांगोद क्षेत्र की लगभग 80 फीसदी सड़कों का काम या तो पूरी तरह से पूर्ण हो चुका है या फिर तीव्र गति से प्रगति पर है। डामर और ग्रेवल सड़कों के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ विधायक कोष से भी कई महत्वपूर्ण रास्ते स्वीकृत किए गए हैं। प्रधान जयवीर सिंह ने कहा कि खेतों के जो रास्ते बन रहे हैं, स्वीकृत हैं या प्रगतिरत हैं, वे आने वाले समय में क्षेत्र की कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई मजबूती प्रदान करेंगे।

जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए इस आत्मीय स्वागत से अभिभूत होकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री नागर ने कहा कि सांगोद की जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर हमेशा खरे उतरेंगे। खेतों के रास्ते दुरुस्त होने, कुछ के पूर्ण होने और कई के प्रगतिरत होने से किसानों को अपनी उपज मंडियों तक ले जाने में आ रही दिक्कतों का स्थायी समाधान होगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे स्वयं इन विकास कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी करें ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंच सके।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के जयपुर निवास पर आयोजित इस अभिनंदन कार्यक्रम में सांगोद और कनवास क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने एकजुटता दिखाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर प्रधान जयवीर सिंह अमृत कुआं, उप प्रधान ओम नागर अड़ूसा, चंद्रप्रकाश सोनी सांगोद मंडल अध्यक्ष, सत्यवान नागर कनवास मंडल अध्यक्ष, योगेंद्र नागर, प्रेम गोचर, शिवराज नागर, रामस्वरूप करीरिया और महावीर नागर सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता व प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में सम्मानित हुए डॉ दीपेंद्र शर्मा

स्मार्ट हलचल

मनोहरपुर। राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर स्थित बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें मनोहरपुर निवासी डॉक्टर दीपेंद्र शर्मा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचन्द बैरवा एवं शिक्षा एवं पंचायती राज़ मंत्री डॉ मदन दिलावर मौजूद रहे। मनोहरपुर निवासी डॉ दीपेंद्र शर्मा पुत्र मुरलीधर संतका को अतिथियों उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा एवम् शिक्षा तथा पंचायत राज्य मंत्री मदन दिलावर ने राज्यस्तरीय भामाशाह प्रेरक सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ दीपेंद्र शर्मा को यह सम्मान भामाशाह 'इंडिया इंफोलाइन

फाउंडेशन' को प्रेरित कर उदयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में 1 करोड़ 34 लाख रूपये की राशि का फर्नीचर उपलब्ध करवाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

राजकीय सेवा के साथ समाजसेवा में विशेष रूचि रखने वाले डॉ दीपेंद्र शर्मा ने कुछ वर्षो पूर्व जयपुर में सड़क दुर्घटना में कालकलवित हुए मादाराम देवासी के परिवार को भी उत्कर्ष पूर्व छात्र परिषद की और से 5 लाख रूपये की आर्थिक सहायता डॉ निर्मल गहलोत से दिलवाई थी।

राजियावास ग्रामीण शिविर में समस्याओं का मौके पर निस्तारण

स्मार्ट हलचल|जयपुर

ग्राम पंचायत राजियावास के सीनियर स्कूल खेल मैदान में बुधवार को 'ग्रामीण सेवा शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की बिजली, पानी, सड़क और अतिक्रमण से जुड़ी अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत ने बताया कि शिविर प्रभारी तहसीलदार हनुमंतसिंह रावत, सह प्रभारी बीडीओ बलराम

मीणा और सहायक अभियंता एसपी जानू की मौजूदगी में आयोजित इस शिविर में 32 पट्टे वितरित किए गए, 2 बंटवारे किए गए और 18 नामांतरण खोले गए। कार्यक्रम का संचालन ग्राम विकास अधिकारी प्रतिभा शर्मा ने किया।

शिविर के दौरान प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत ने राजियावास क्षेत्र में बिजली की गंभीर समस्या को दूर करने के लिए शिविर प्रभारी को एक मांग पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि राजियावास 33 केवी जीएसएस से 6 ग्राम पंचायतों के 14 राजस्व गांव जुड़े हुए हैं। वर्तमान में यह लाइन शेखवास (भीम) जीएसएस से भी जुड़ी है, जो पहाड़ी और जंगली क्षेत्र होने के कारण अक्सर तकनीकी खराबी का शिकार रहती है। इसके चलते राजियावास में बार-बार बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या होती है।

इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए मांग की गई है कि राजियावास जीएसएस के पास से गुजर रही जवाजा जीएसएस की लाइन में 'मूलसिंह का बाडिया' के पास कट-पॉइंट बनाकर राजियावास को सीधे जवाजा लाइन से जोड़ा जाए। इसके साथ ही कालिंजर तेजाजी मंदिर, नीचलावास, नयागांव और शहीद अमरसिंह सीनियर स्कूल के पास लो-वोल्टेज दूर करने के लिए नए ट्रांसफार्मर लगाने की भी मांग की गई।

जल जीवन मिशन की कमियों को दूर करने की चेतावनी

शिविर में पेयजल आपूर्ति को लेकर भी कई शिकायतें सामने आई। प्रशासक रावत ने बताया कि राजियावास के पुराना बाइपास रोड (भैरूघाटा) पर 10 घरों में कनेक्शन होने के बावजूद पानी नहीं आ रहा है। वहीं ऊपरलावास, गर्ल्स स्कूल की गली और भोमजी का बाडिया में पानी के वितरण में भारी असमानता है। इसके अलावा कालिंजर गांव में पाइप लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों व नालियों की मरम्मत कराने तथा फूंदी का बाडिया और आव के पहाड़ी क्षेत्रों में 23 नए कनेक्शन देने की मांग की गई।

जोबनेर की तीरंदाज खुशी कुमावत का भारतीय टीम में चयन

स्मार्ट हलचल| जोबनेर

जोबनेर की होनहार तीरंदाज खुशी कुमावत ने अपनी प्रतिभा का एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में स्थान बनाया है। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राज-स्थान के पांच तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय दल में चयन किया गया है।

राजस्थान तीरंदाजी एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों में वार्ड नंबर 1, जोबनेर निवासी खुशी कुमावत पुत्री सांवर मल कुमावत को एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता तथा एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

खुशी कुमावत इससे पूर्व भी 2023 में एशिया कप के लिए ताईवान में खेल चुकी है। वर्तमान

में जोबनेर कृषि महाविद्यालय मैदान पर अपने पिता एवं प्रशिक्षक सांवर मल कुमावत के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रही हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का ही परिणाम है कि उन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

खुशी की इस उपलब्धि से पूरे जोबनेर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। परिजनों, खेल प्रेमियों, तीरंदाजी एकेडमी के सदस्यों तथा क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और देश का नाम रोशन करने की कामना की है।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर जयपुर महापड़ाव में शामिल होने नारायणपुर से सैकड़ों लोग रवाना

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। घुमंतू, अर्ध-घुमंतू एवं विमुक्त (डीएनटी) समाज की 11 सूत्रीय मांगों के समर्थन में बुधवार को नारायणपुर नगरपालिका मुख्यालय से तहसील की 25 ग्राम पंचायतों के सैकड़ों लोग बसों एवं निजी वाहनों से जयपुर के विद्याधर नगर स्थित जेडीए ग्राउंड में आयोजित महापड़ाव के लिए रवाना हुए। जोगी विकास समिति के अध्यक्ष सुरज्ञानी योगी के नेतृत्व में समाज के लोगों ने सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने के उद्देश्य से इस महापड़ाव में भाग लिया। सुरज्ञानी योगी ने बताया कि डीएनटी समुदाय पिछले कई वर्षों से अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहा है। उनकी प्रमुख मांगों में सरकारी नौकरियों एवं राजनीतिक पदों पर 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना शामिल है, ताकि समाज की शासन और प्रशासन में समुचित भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मांगें उठाए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से समाज में निराशा का माहौल है। इसी के चलते सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए जयपुर में महापड़ाव आयोजित किया गया है।

गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल ट्रेन की संचालन अवधि बढ़ी, कोटा मंडल के यात्रियों को मिलेगा लाभ

जुलाई-अगस्त में अतिरिक्त फेरे लगाएगी विशेष गाड़ी, लखनऊ क्षेत्र में ब्लॉक के कारण कानपुर से आगे मार्ग रहेगा परिवर्तित

स्मार्ट हलचल| कोटा

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने गाड़ी संख्या 09451/09452 गांधीधाम-भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल ट्रेन की संचालन अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह विशेष गाड़ी कोटा मंडल के भवानी मंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना जंक्शन एवं भरतपुर जंक्शन स्टेशनों से होकर संचालित होती है, जिससे मंडल के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को संचालित होती है। इसकी अवधि बढ़ाकर दिनांक 03.07.2026 से 31.07.2026 तक कर दी गई है। इस अवधि में यह गाड़ी 03, 10, 17, 24 एवं 31 जुलाई 2026 को कुल 5 अतिरिक्त फेरे लगाएगी। कोटा मंडल में यह गाड़ी भवानी मंडी (08:18/08:20 बजे), कोटा जंक्शन (09:35/09:45 बजे), सवाई माधोपुर (10:55/11:00 बजे), गंगापुर सिटी (11:55/12:00 बजे), हिंडौन सिटी (12:28/12:30 बजे), बयाना जंक्शन (12:58/13:00 बजे) तथा भरतपुर जंक्शन (14-:15/14:20 बजे) पर ठहरेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल की अवधि बढ़ाकर दिनांक 06.07.2026 से 03.08.2026 तक कर दी गई है। इस दौरान यह गाड़ी 06, 13, 20 एवं 27 जुलाई तथा 03 अगस्त 2026 को कुल 5 अतिरिक्त फेरे लगाएगी। कोटा मंडल में यह गाड़ी भरतपुर जंक्शन (10:50/10:52 बजे), बयाना जंक्शन (11:25/11:27 बजे), हिंडौन सिटी (11:50/11:52 बजे), गंगापुर सिटी (12:30/12:35 बजे), सवाई माधोपुर (13:20/13:25 बजे), कोटा जंक्शन (14:50/15:00 बजे) तथा भवानी मंडी (16:13/16:15 बजे) पर ठहरेगी। श्री जैन ने बताया कि उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) द्वारा किए जा रहे ब्लॉक कार्य के कारण यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से आगे अपने निर्धारित मार्ग की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर-फतेहपुर-प्रयागराज-ज्ञानपुर रोड-वाराणसी-औंरिहार-गाजीपुर सिटी-छपरा-हाजीपुर होकर संचालित की जाएगी।

नगर परिषद गंगापुर सिटी के शिविर में कई सेवाओं का हुआ समाधान

स्मार्ट हलचल | गंगापुर सिटी

राज्य सरकार एवं स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशानुसार नगर परिषद गंगापुर सिटी द्वारा आयोजित किए जा रहे शहरी सेवा शिविर-2026 के तहत बुधवार को वार्ड संख्या 31 से 36 तक के लिए नगर परिषद सभागार में शिविर आयोजित किया गया। नगर परिषद आयुक्त बृजेन्द्र मीना ने बताया शिविर में नगर परिषद सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। आमजन को पट्टे, कृषि भूमि नियमन, लीज डीड, भवन निर्माण स्वीकृति, नाम हस्तांतरण, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनाधार, खाद्य सुरक्षा, पेंशन, पालनहार, स्ट्रीट लाइट, सफाई, पेयजल एवं विद्युत संबंधी सेवाओं का लाभ दिया गया।शिविर के दौरान पट्टों के 11, भवन निर्माण स्वीकृति के 3, नाम हस्तांतरण के 4, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 8, स्ट्रीट लाइट के 19, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के 36, घर-घर कचरा संग्रहण के 6, पूरक पोषाहार के 8, पेंशन के 1, जनाधार के 23, खाद्य सुरक्षा के 6, विद्युत विभाग के 19, सीवरेज के 4 एवं पेयजल के 3 प्रकरणों सहित कई मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया।नगर परिषद की ओर से अभियान के नोडल प्रभारी दुष्यंत राज, राजस्व अधिकारी एवं सहायक अभियंता तरुण कुमार जैन, वरिष्ठ सहायक राजेश मीना, कनिष्ठ अभियंता रीना मीना सहित सभी अधिकारी, कर्मचारी अभियान में जिम्मेदारी से आमजन के कार्यों का निस्तारण करने में अहम भूमिका निभा रहे है।

कोटा विश्वविद्यालय में पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन पाठ्यक्रमों के प्रवेश शुरू, देश-विदेश में करियर के नए अवसर

कोटा विश्वविद्यालय में पर्यटन एवं आतिथ्य पाठ्यक्रमों के प्रवेश शुरू, वैश्विक करियर के खुलेंगे द्वार, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में रोजगार की नई राह, कोटा विश्वविद्यालय में आवेदन आमंत्रित

स्मार्ट हलचल| कोटा

पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग में तेजी से बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए कोटा विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं आतिथ्य विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक पर्यटन उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवसर उपलब्ध कराना है। इस अवसर नए कोंसेज के लिए कुलगुरू बी पी सारस्वत को छात्रों अपने शुभकानाएं देते हुए उन्हे पुष्पगुच्छ भेंट किया और कहा कि नए कोंसेज से छात्रों को नए अवसर प्राप्त होंगे।

कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने कहा कि पर्यटन और आतिथ्य उद्योग आज विश्व के सबसे तेजी से विकसित होते क्षेत्रों में शामिल है, जहां कुशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की निरंतर मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय रोजगारोन्मुखी एवं उद्योग आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दे रहा है, ताकि विद्यार्थी बदलती वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। पर्यटन एवं आतिथ्य विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यटन, ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी,

इवेंट मैनेजमेंट, मेडिकल टूरिज्म और एग्रो टूरिज्म जैसे उभरते क्षेत्रों में उत्कृष्ट करियर बनाने का अवसर प्रदान करेंगे।

विभागाध्यक्ष डॉ. अनुकृति शर्मा ने बताया कि विभाग में तीन वर्षीय बैचलर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में 30 तथा दो वर्षीय मास्टर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (रू'रू) में 20 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा इन एग्रो टूरिज्म, पीजी डिप्लोमा इन मेडिकल टूरिज्म तथा पीजी डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट जैसे विशेषीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्रत्येक में 10-10 सीटें उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि एग्रो टूरिज्म पाठ्यक्रम ग्रामीण पर्यटन और कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, जबकि मेडिकल टूरिज्म पाठ्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यटन प्रबंधन के समन्वय से उभरते रोजगार क्षेत्रों के लिए विद्यार्थियों को तैयार करता है। वहीं इवेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम कॉर्पोरेट कार्यक्रमों, सांस्कृतिक आयोजनों, विवाह समारोहों और बड़े आयोजनों के सफल संचालन की व्यावसायिक दक्षता विकसित करता है।

प्रो. शर्मा ने कहा कि विभाग में विद्यार्थियों को आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ इंडस्ट्री ओरिएंटेड प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, फील्ड विजिट, इंटर्नशिप, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभागिता तथा देश-विदेश के शैक्षणिक भ्रमण के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके साथ ही प्रतिष्ठित पर्यटन, होटल एवं हॉस्पिटैलिटी संस्थानों में प्लेसमेंट और करियर मार्गदर्शन की सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

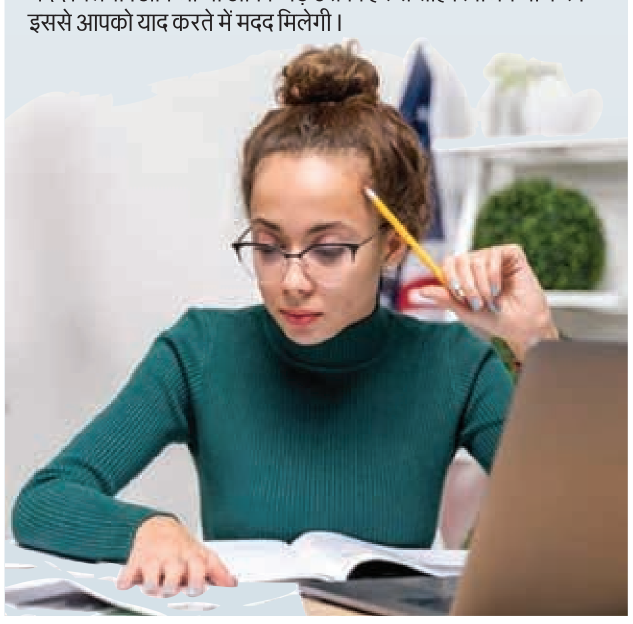

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

संपादकीय

वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडि ?ा में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मयार्दा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मयार्दा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मयार्दा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मयार्दा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मयार्दा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट है: श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मयार्दा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुगार्पुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

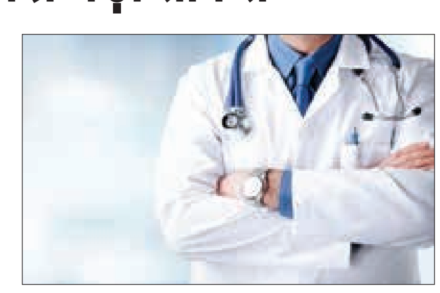

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com